लखनऊ

शुक्रवार, 15 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 260

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

सीएम सरमा की पत्नी पर आरोपों के बाद गुवाहाटी पहुंचे पवन खेड़ा, बोले- 'जांच में पूरा सहयोग करूंगा'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ लगे आरोपों से जुड़े एक मामले में गुवाहाटी पुलिस के सामने पेश हुए। खेड़ा जांच में सहयोग कर रहे हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस मामले में अग्रिम जमानत दे दी थी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा गुरुवार को गुवाहाटी के क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा से जुड़े पासपोर्ट विवाद का आरोप है। पुलिस स्टेशन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए खेड़ा ने कहा कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच जारी है और मैं इसमें सहयोग कर रहा हूं। शर्मा परिवार ने इन दावों का पुरजोर खंडन करते हुए पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूहों द्वारा प्रसारित दस्तावेजों को एआई द्वारा निर्मित मनगढ़ंत कहानियां बताया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अप्रैल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी, रिनिकी भुयान शर्मा के पास भारत, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र के तीन पासपोर्ट हैं और दुबई में उनकी कुछ संपत्तियां अज्ञात हैं, साथ ही अमेरिका के व्योमिंग में उनकी एक कंपनी भी है। आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने पहले कड़ी कार्रवाई की कसम खाते हुए कहा था कि आरोप लगाने से पहले उन्हें विदेश मंत्री से पूछना चाहिए था। खरगे जी बूढ़े हो गए हैं, फिर भी पागलों की तरह बोलते हैं। असम पुलिस पाताल से भी लोगों को ढूंढकर ला सकती है। मुझे शक है कि राहुल गांधी ने उन्हें ये दस्तावेज दिए हैं। इसलिए यह मामला राहुल गांधी तक भी पहुंचेगा। हमें डराने की कोशिश मत करो। यह असम है, और हमने इस्लामी आक्रमण के खिलाफ 17 बार लड़ाई लड़ी है।

सड़क हादसों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: लेन ड्राइविंग की कमी को बताया वजह, केंद्र को सुरक्षा बोर्ड बनाने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में सड़क सुरक्षा की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत में लेन ड्राइविंग की कोई व्यवस्था नहीं है जिसके चलते बड़े पैमाने में सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि सार्वजनिक परिवहन वाहनों में लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और पैनिक बटन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। अदालत ने सड़क सुरक्षा बोर्ड नहीं बनाए जाने पर भी नाराजगी जताई और केंद्र सरकार को अंतिम मौका देते हुए तीन महीने के भीतर बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ 2012 में दायर उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें देशभर में सड़क सुरक्षा उपायों को लागू करने की मांग की गई थी। यह याचिका सर्जन एस राजशेखरन ने दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा, इस देश में कैसे सुनिश्चित किया जाए कि चालक लेन ड्राइविंग का पालन करें? यहां लेन ड्राइविंग की कोई अवधारणा ही नहीं है। अधिकतर हादसे इसी वजह से होते हैं।

पंचतत्व में विलीन हुए प्रतीक यादव, 'बैकुंठ धाम' में हुआ अंतिम संस्कार, ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दी मुखाग्नि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर का बृहस्पतिवार को लखनऊ के 'बैकुंठ धाम' में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उन्हें मुखाग्नि दी। प्रतीक यादव का 38 वर्ष की उम्र में बुधवार सुबह हृदय और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के कारण बीमार पड़ने के बाद निधन हो गया था ।

उन्हें तबीयत खराब होने पर राजधानी के सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक के पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा विक्रमादित्य मार्ग स्थित उनके आवास से शुरू हुई। शव यात्रा के दौरान सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव ने अर्थी को कंधा दिया। इस दौरान प्रतीक की पत्नी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, उनकी बेटियों प्रथमा तथा पद्मजा तथा अन्य रिश्तेदारों ने उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी।

अपर्णा अपनी दोनों बेटियों तथा जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के साथ श्मशान घाट पहुंचीं। घाट पर मौजूद पुरोहित महेन्द्र शर्मा ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के बाद प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान वह बेहद भावुक हो गये और अपने आंसू नहीं रोक सके।

प्रतीक के पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए रास्ते में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में भी रखा गया। यह उस पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार किया गया जिसके तहत श्मशान घाट पहुंचने से पहले पार्थिव शरीर को पांच बार जमीन पर रखा जाता है। प्रतीक को जानवरों से बहुत प्रेम था लिहाजा उनकी पत्नी अपर्णा यादव ने शव वाहन पर प्रतीक की उनके कुत्तों और एक बंदर के साथ वाली तस्वीरें भी लगाई थीं। शव यात्रा में बड़ी संख्या में सपा और भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी शिरकत की। दोपहर करीब पौने एक बजे प्रतीक की शव यात्रा 'बैकुंठ धाम' श्मशान घाट पहुंची और उनके पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की गयी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव, उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव, चचेरे भाई तथा सांसद आदित्य यादव तथा परिवार के कई अन्य सदस्यों के साथ-साथ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे।

इससे पहले, प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव ने बुधवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, "अत्यंत दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव जी के प्रिय पुत्र और हम सभी के प्यारे प्रतीक यादव जी का अंतिम संस्कार कल (बृहस्पतिवार) सुबह 11 बजे बैकुंठ धाम (भैंसाकुंड) में किया जाएगा।" उन्होंने पोस्ट में कहा, "दुख की इस घड़ी में आपकी गरिमामयी उपस्थिति का विनम्र अनुरोध है।"

सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और शारीरिक फिटनेस के शौकीन प्रतीक बेहद प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद सियासत से दूर रहना पसंद करते थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक की मां साधना गुप्ता पार्टी संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी थीं। जब उन दोनों की शादी हुई थी, तब प्रतीक किशोरावस्था में थे।

राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर भाजपा का बड़ा हमला, 60 करोड़ के खर्च का मांगा हिसाब

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा द्वारा कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विदेश यात्रा खर्चों को लेकर गंभीर आरोप लगाने के बाद राजनीतिक बवाल मच गया। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पात्रा ने दावा किया कि गांधी ने पिछले 22 वर्षों में 54 विदेश यात्राएं की हैं और लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो उनके अनुसार इसी अवधि में उनकी कमाई से पांच गुना अधिक है।

पात्रा ने कहा कि गांधी दो दशकों से अधिक समय से निर्वाचित पद पर हैं और कई देशों की कई बार यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इन यात्राओं पर हुए खर्च को सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया है, जबकि यात्राओं का आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद है। उन्होंने आगे कहा कि गांधी आमतौर पर हर विदेश यात्रा पर तीन से चार लोगों के साथ जाते थे। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पात्रा ने यात्रा खर्च के वित्तीय स्रोत पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, "हमारे पास राहुल गांधी की 2013-14 से 2022-23 तक की आय का विवरण है।

इन दस वर्षों में उनकी आय लगभग 11 करोड़ रुपये थी। उन्होंने विदेश यात्राओं पर 60 करोड़ रुपये कैसे खर्च किए? उन्हें कौन वित्त पोषित कर रहा है? यदि किसी विदेशी कंपनी ने इन यात्राओं को वित्त पोषित किया है, तो क्या उसने आवश्यक नियमों का पालन किया?" पात्रा ने गांधी की घोषित आय और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर कथित रूप से खर्च की गई राशि के बीच विसंगतियों को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि यह अंतर पारदर्शिता और भारतीय कानूनों के अनुपालन के बारे में चिंता पैदा करता है।

वर्षवार आय और व्यय का विवरण

पात्रा ने ऐसे आंकड़े भी प्रस्तुत किए, जिनके बारे में उनका दावा था कि वे विभिन्न वर्षों में राहुल गांधी की आय और यात्रा व्यय में असमानता को दर्शाते हैं।

- 2014-15 में, राहुल गांधी ने कथित तौर पर विदेश यात्रा पर 4.5 करोड़ रुपये खर्च किए।
- 2017-18 में, उन्होंने 1.20 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन कथित तौर पर यात्रा पर 6 करोड़ रुपये खर्च किए।
- 2019-20 में, उन्होंने 1.39 करोड़ रुपये कमाए और अंतरराष्ट्रीय यात्राओं पर 4.6 करोड़ रुपये खर्च किए।
- 2018-19 में, उनकी आय 1.22 करोड़ रुपये थी, जबकि विदेश यात्राओं पर व्यय 3.9 करोड़ रुपये था।
- 2021-22 में, राहुल गांधी ने 1.03 करोड़ रुपये कमाए और कथित तौर पर विदेश यात्रा पर 2.6 करोड़ रुपये खर्च किए।

अपमानजनक आरोप लगाए...केजरीवाल–सिसोदिया की और बढ़ेगी मुश्किल

जस्टिस शर्मा ने कहा- अवमानना की कार्यवाही शुरू करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ मानहानिकारक पोस्ट करने के आरोप में कुछ व्यक्तियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगा। न्यायालय आज शाम 5 बजे विस्तृत आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि आज मुझे एमिकस (अदालती वकील) नियुक्त करना था और मैंने इसके लिए प्रयास भी किए, कुछ वरिष्ठ वकीलों ने इसके लिए सहमति भी दे दी। लेकिन इसी बीच मुझे पता चला है कि कुछ प्रतिवादियों द्वारा मेरे और इस न्यायालय के खिलाफ बेहद अपमानजनक, बेहद अवमाननापूर्ण और मानहानिकारक सामग्री पोस्ट की जा रही है और मैं चुप नहीं रह सकती। मैंने कुछ प्रतिवादियों और कुछ अन्य अवमाननाकर्ताओं के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि वे न्यायाधीश के समक्ष लंबित कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद खत्म हो गई है। इसलिए मैंने महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का फैसला किया है। केजरीवाल के बाद, आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने भी न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर सूचित किया कि वे भी उनकी अदालत में बिना वकील के पेश होंगे। न्यायमूर्ति शर्मा ने इससे पहले सीबीआई की याचिका की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार कर दिया था। न्यायाधीश शर्मा ने इस मामले से खुद को अलग करने की याचिका खारिज करते हुए कहा अगर मैं इन (खुद को अलग करने की) याचिकाओं को स्वीकार करती, तो यह एक चिंताजनक मिसाल कायम करता।"

सीएम शुभेंदु का बड़ा कदम, सख्ती से पालन करने का निर्देश

बंगाल के स्कूलों में वंदे मातरम गीत गाना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान वंदे मातरम् गीत गाना अनिवार्य करने का फैसला लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से जारी आधिकारिक निर्देश के मुताबिक यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी और राज्य के सभी छात्रों को स्कूल शुरू होने से पहले प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय गीत गाना होगा। विभाग ने सभी स्कूल प्रमुखों को निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। 13 मई को जारी आदेश में शिक्षा निदेशक ने स्पष्ट किया कि कक्षाएं शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा में वंदे मातरम् गीत का गायन अनिवार्य बनाया जाए ताकि राज्य के सभी स्कूलों में सभी छात्र राष्ट्रीय गीत गाएं। अधिकारियों के मुताबिक स्कूलों को इसके पालन का वीडियो रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने के लिए कहा गया है, ताकि इसे लागू किए जाने का प्रमाण उपलब्ध रहे।

सीएम शुभेंदु ने क्या बताया?

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, अगले सोमवार से राज्य के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् को प्रार्थना गीत के रूप में शुरू किया जाएगा। मैं आज नबन्ना जाकर इसकी जानकारी दूंगा। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान से जुड़े कानूनों को और मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन की तैयारी कर रही है, जिसके तहत वंदे मातरम् के गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सरकार का यह कदम राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर अहम माना जा रहा है।

एसआईआर के तीसरे चरण का ऐलान, 16 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में चलेगा चुनाव आयोग का ये अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने आज गुरुवार को वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तीसरे चरण का ऐलान कर दिया है। चुनाव आयोग इस चरण में दिल्ली, पंजाब और कर्नाटक समेत देश के 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में SIR की प्रक्रिया शुरू होगी। जनगणना की चल रही हाउस लिस्टिंग प्रक्रिया के साथ-साथ समान जमीनी प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए SIR के तीसरे चरण का कार्यक्रम तय किए गए हैं। दिल्ली में 7 अक्टूबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी किए जाएंगे। वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण में SIR प्रक्रिया हिमाचल प्रदेश, जम्मू -कश्मीर तथा लद्दाख को छोड़कर पूरे देश को कवर करेगी। इन 3 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना के दूसरे चरण के पूरा होने और ऊपरी क्षेत्रों में बर्फ से ढके इलाकों में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए SIR प्रक्रिया का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3।94 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) घर-घर जाकर 36।73 करोड़ वोटर्स से संपर्क करेंगे। इनकी मदद के लिए राजनीतिक दलों द्वारा गणना चरण के दौरान नियुक्त किए गए 3।42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भी मौजूद रहेंगे।

एसआईआर प्रकिया की विस्तृत डिटेल

एसआईआर एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वोटर्स, राजनीतिक दल और चुनाव अधिकारी सहित सभी हितधारक शामिल होते हैं। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि पार्टी हर पोलिंग बूथ के लिए अपने बीएलए की नियुक्ति करें, ताकि इस अहम प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही इससे एसआईआर की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी के साथ संचालित होगा।

तीसरे चरण में शामिल राज्यों के नाम

इससे पहले एसआईआर के शुरुआती 2 चरणों में, 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश शामिल किए गए थे, जिनमें संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर आदेश की तिथि तक करीब 59 करोड़ मतदाता शामिल थे। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त 6।3 लाख से अधिक बीएलओ और 9।2 लाख बीएलए अलग-अलग चरणों में शामिल थे। एसआईआर का तीसरा चरण राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दमन-दीव और दादर तथा नगर हवेली में कराया जाएगा।

बिना रजिस्ट्रेशन कैसे दौड़ रहे वाहन? चंबल में अवैध खनन पर कोर्ट की फटकार, राजस्थान सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में जारी अवैध रेत खनन को लेकर राजस्थान सरकार और अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में फैले इस अभयारण्य में अवैध खनन से घड़ियाल समेत कई जलीय और विलुप्तप्राय वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा पैदा हो गया है।

जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और विजय बिश्नोई की पीठ ने राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) और खनन, वित्त, वन, पर्यावरण तथा परिवहन व सड़क सुरक्षा विभागों के प्रमुख सचिवों को 19 मई को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सभी अधिकारियों से अलग-अलग हलफनामे दाखिल कर 2 अप्रैल के आदेश के पालन की जानकारी देने को कहा है।

दरअसल, 2 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकारों को अमीकस क्यूरी और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (CEC) की रिपोर्टों पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। इन रिपोर्टों में चंबल अभयारण्य में बड़े पैमाने पर अवैध खनन गतिविधियों का उल्लेख किया गया था। अदालत ने राज्यों और पर्यावरण मंत्रालय से संरक्षण एवं निगरानी उपायों पर भी हलफनामा मांगा था।

कोर्ट ने क्या सवाल पूछे?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने खास तौर पर सवाल उठाया कि बिना पंजीकरण वाले ट्रैक्टर और खनन वाहन अब भी खुलेआम कैसे चल रहे हैं। अदालत ने राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग से पूछा कि मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन पर क्या कार्रवाई की गई, दोषी अधिकारियों के खिलाफ क्या कदम उठाए गए और अवैध खनन सामग्री के परिवहन को रोकने के लिए क्या व्यवस्था की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को भी मामले में पक्षकार बनाया है और प्रभावित इलाकों में पुलों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी पूछा कि खनन और परिवहन गतिविधियों की रियल टाइम निगरानी के लिए CCTV कैमरे लगाने में क्या दिक्कत है।

'वायनाड को भूल जाओ', नए सीएम की घोषणा पर कांग्रेस में कलह, राहुल गांधी के खिलाफ लगे पोस्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। केरलम में चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच, वायनाड और कोझिकोड में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को निशाना बनाने वाले पोस्टर सामने आए।

ये पोस्टर वायनाड के कलपेट्टा में जिला कांग्रेस कार्यालय के नेम-बोर्ड पर और कोझिकोड में उत्तरी करासेरी स्थित प्रियंका के कार्यालय के पास दिखाई दिए। अंग्रेजी में छपे इन गुमनाम पोस्टरों में चेतावनी दी गई थी कि 'वायनाड अगला अमेठी बन जाएगा और गांधी भाई-बहन इस निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा जीत नहीं पाएंगे।' बुधवार सुबह दोनों जिलों में लोगों ने इन पोस्टरों को देखा। माना जा रहा है कि मंगलवार रात को कुछ अज्ञात लोगों ने इन्हें लगाया था। जिला कांग्रेस नेतृत्व ने इन पोस्टरों को हटवा दिया। खबरों के अनुसार, अधिकारियों ने पोस्टर लगाने वाले व्यक्ति की CCTV फुटेज हासिल कर ली है। पार्टी ने एक आंतरिक जांच भी शुरू की है, और चेतावनी दी है कि अगर कोई कांग्रेस कार्यकर्ता इसमें शामिल पाया गया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, एक पोस्टर पर लिखा था, 'राहुल और प्रियंका, वायनाड को भूल जाओ। तुम यहां से दोबारा नहीं जीत पाओगे।' जबकि दूसरे पर लिखा था, 'RG और PG, यह कोई चेतावनी नहीं है; केरलम इस बड़ी गलती के लिए तुम्हें कभी माफ नहीं करेगा।' इसके अलावा एक अन्य पोस्टर में कहा गया था, 'राहुल, KC (AICC महासचिव KC वेणुगोपाल) भले ही तुम्हारे बैग बियरर (सामान उठाने वाले) हों, लेकिन केरलम की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी।'

सोने-चांदी के दाम में अचानक उछाल, मुरादाबाद के स्टोरों में छाई वीरानी, सहालग सीजन में भी कारोबार ठंडा

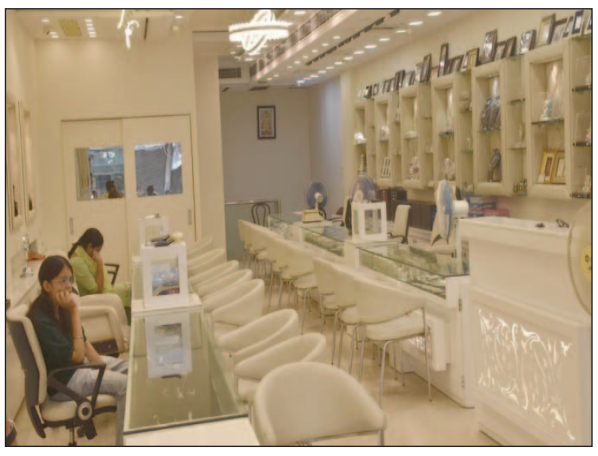

दुकान पर सुबह से खाली बैठा हूं। एक भी ग्राहक नहीं आया। आयात शुल्क में बढ़ोतरी से सोन व चांदी की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। इसके लगता है कि आने वाले दिनों में ग्राहक बिल्कुल ही नहीं आएंगे।

-नीरज अग्रवाल, अध्यक्ष, श्री सराफा कमेटी

ग्राहकों के बजट के हिसाब से बाजार में हल्के गहने बना दिए गए हैं। अब सोने व चांदी की बढ़ी कीमतों ने बिक्री की चिंता और बढ़ा दी है। बाजार में ग्राहक नहीं है। मेरे पास आज एक भी ग्राहक नहीं आया।

-मनीष बेरी, सराफा कारोबारी

दिन	सोने की कीमत	चांदी की कीमत
11 मई	1.51 लाख प्रति 10 ग्राम	2.57 लाख प्रतिकिलो
13 मई	1.58 लाख प्रति 10 ग्राम	2.77 लाख प्रतिकिलो

(बाजार गंज धर्म काटा के अनुसार)

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। शादियों के सीजन (सहालग) के बीच सोने-चांदी की कीमतों में आए उछाल ने बाजार की रौनक छीन ली। बुधवार को गंज बाजार व मंडी चौक स्थित सराफा बाजार में गिने-चुने ग्राहक सोने व चांदी की खरीदारी करते दिखाई दिए। दो दिनों में सोने की कीमतों में सात हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी के दाम में 20 हजार रुपये प्रतिकिलो की भारी बढ़ोतरी हुई है।

सराफा कारोबारियों का कहना है कि एकाएक सोने व चांदी पर बढ़ाई गई इंपोर्ट ड्यूटी से गहनों की बिक्री पर असर देखने को मिला है। उनका कहना है कि लोग हल्के गहनों (लाइट वेट ज्वैलरी) खरीदना पसंद कर रहे थे। अब मौजूदा कीमतों पर हल्के गहने बनवाना भी काफी मुश्किल हो जाएगा।

केंद्र सरकार ने सोने व चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। ड्यूटी बढ़ने से विदेशों में सोना व चांदी महंगा हो गया। इसका सीधा बोझ अब ग्राहकों पर पड़ेगा। गंज बाजार स्थित सराफा कारोबारियों के दुकानों पर सहालग में पैर रखने की जगह नहीं होती थी लेकिन अब वहां केवल दुकानदार और काम करने वाले कर्मचारी नजर आए। सराफा कारोबारियों का कहना है कि सोने व चांदी की कीमतों में इतनी बड़ी वृद्धि की उम्मीद नहीं थी। शादियों में गहने खरीदने के लिए लोग पहले से बजट तय कर रखते हैं। लेकिन दो दिनों के अंदर में सोने व चांदी के दाम बढ़ने से अब गहने खरीदना काफी मुश्किल हो जाएगा।

सराफा कारोबारी बताते हैं कि पहले से ही सोने व चांदी के दाम बढ़े हुए हैं। इसकी वजह से हल्के गहने बनाए जा रहे थे लेकिन अब सोने व चांदी कीमतें और बढ़ गई हैं। इससे ग्राहकों के लिए हल्के गहने बनाना काफी मुश्किल हो जाएगा। उनका कहना है कि अगर सोने व चांदी की कीमतें जल्द ही स्थिर नहीं हुई तो इस सीजन में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

श्री श्री रविशंकर के जन्मदिवस पर सम्मान समारोह एवं भव्य सत्संग का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के 70 वे जन्मदिवस के अवसर पर पंडित राम नरेश त्रिपाठी सभागार में सत्संग एवं सम्मान समारोह का आयोजन पंडित रामनाथ त्रिपाठी सभागार में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक लाल जी वर्मा द्वारा गुरु पूजा कर देर शाम किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ चिकित्सक डा आर ए वर्मा, सुमन सिंह आर्ट ऑफ लिविंग की प्रशिक्षिका पल्लवी वर्मा ने दीप प्रज्वलन एवं गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्यों ने सुंदर भजनों से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों में प्रेरणादायक योगदान हेतु रक्तदानी राज्य स्तरीय युवा पुरुस्कार विजेता अभिषेक सिंह को आर्ट लिविंग के संस्थापक सदस्य डॉक्टर आर ए वर्मा डॉक्टर सुधाकर सिंह भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने मानसिक दिव्यांग बच्चों के उत्थान के लिए कार्यरत रिशा वर्मा को डॉ अरविंद चतुर्वेदी एवं मदन सिंह ने एवं धावक श्वेता मिश्रा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सुमन हॉस्पिटल की संचालिका सुमन सिंह ने अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। जनपद सुलतानपुर से प्रेरणादायक व्यक्तियों में 10 नाम भेजे बंगलौर भेजे गए थे जिनमें इन तीन प्रेरणादायक व्यक्तियों का चयन इस पुरुस्कार हेतु किया गया।

सपा सांसद की अमर्यादित टिप्पणी पर महिलाओं ने किया विरोध प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को कादीपुर तहसील के सामने भाजपा महिला मोर्चा एवं कार्यकर्ताओं ने विधायक राजेश गौतम की मौजूदगी में जोरदार प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर भाजपा की महिला नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सांसद से सार्वजनिक माफी की मांग की। विधायक राजेश गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई अशोभनीय टिप्पणी लोकतंत्र की मर्यादा और 145 करोड़ देशवासियों की भावनाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि सपा नेताओं की भाषा उनके वैचारिक दिवालियापन और सत्ता की हताशा को दर्शाती है।

लोकतंत्र की मर्यादा तार-तार करने वालों को जनता करारा जवाब देगी।इस दौरान किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य मधु काजल,सुनीता बरनवाल व विजय लक्ष्मी शुक्ला आदि महिला नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है,जिससे विपक्ष बौखलाया हुआ है। जनता 2027 में सपा को इसका करारा जवाब देगी।प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान और ष्सपा घटिया राजनीति बंद करों जैसे नारों के साथ विरोध जताया। इस मौके सुनीता बरनवाल, विजय लक्ष्मी शुक्ला, करिश्मा गौतम, प्रतिमा सिंह, शकुंतला मिश्रा, सुनीता उपाध्याय, सावित्री सिंह, आसमा खातून समेत बड़ी संख्या में महिलाएं व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने बताया की 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाले जनपद के सपा सांसद व समाजवादी पार्टी के खिलाफ लंभुआ ब्लाक मुख्यालय के सामने व कादीपुर में महिला मोर्चा की नेता रागिनी मिश्रा,भावना राय, सुनीता बरनवाल, विजय लक्ष्मी शुक्ला आदि ने हाथों में तख्तियां लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

मेडिकल कॉलेज बना अखाड़ा, दो शिक्षकों में जमकर मारपीट, पुलिस फोर्स पहुंची

सुल्तानपुर। स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज दुबेपुर एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह इलाज नहीं बल्कि शिक्षकों के बीच हुई भिड़ंत बनी। कॉलेज परिसर में दो सह आचार्यों के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई और मारपीट तक पहुंच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बहस के दौरान एक सह आचार्य ने दूसरे पर हमला कर दिया, जिसके बाद कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है और विवाद की असली वजह जानने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद कॉलेज स्टाफ और छात्रों में भी चर्चा का माहौल गर्म है। बताया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज में लगातार सामने आ रहे विवादों और अव्यवस्थाओं से संस्थान की छवि पर सवाल उठने लगे हैं।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव, ट्रक में जा घुसी स्कार्पियो, एक ही परिवार के चार की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। बांदा जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें एक स्कॉर्पियो गैस सिलिंडर लदे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में स्कॉर्पियो के चालक सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवती को कानपुर रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक और घायल आजमगढ़ के रामगढ़ के रहने वाले एक ही परिवार के सदस्य हैं, जो कबरई जा रहे थे।

डीएम अमित आसेरी ने दिए निर्देश

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी अमित आसेरी ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक स्कार्पियो और ट्रक की भिड़ंत हुई है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है।

एक युवती गंभीर रूप से घायल

प्रशासन द्वारा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। प्रशासन पीड़ित परिवार के संपर्क में है और नियमानुसार हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी।

नींद की झपकी बनी चार मौतों का कारण

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे हादसे को लेकर एसपी पलाश बंसल ने बताया कि आज थाना कोतवाली देहात को सूचना मिली कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक डीसीएम और स्कार्पियो के बीच भिड़ंत हो गई है। पुलिस, फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।

गाड़ी पीछे से डीसीएम में जा घुसी

स्कार्पियो में एक पुरुष और चार महिलाएं सवार थीं। मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण स्कार्पियो चालक को नींद की झपकी आना प्रतीत हो रहा है, जिससे गाड़ी पीछे से डीसीएम में जा घुसी। यातायात सुचारु कर दिया गया है और विधिक कार्रवाई जारी है।

शत्रु संपत्तियों को लेकर बड़ा अभियान, 25 मई को होगी ऑनलाइन नीलामी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भारतीय शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय के पर्यवेक्षक विद्यासागर ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि जिले सहित प्रदेश भर में शत्रु संपत्तियों को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत अवैध कब्जों को हटाकर शत्रु संपत्तियों को खाली कराया जाएगा। तहसील सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विद्यासागर ने दर्जनों नागरिकों के सामने शत्रु संपत्तियों से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में आगामी 25 मई को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक शत्रु संपत्तियों की ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। इस नीलामी में आम नागरिक भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में स्थित कुल 55 शत्रु संपत्तियों की नीलामी प्रस्तावित है। इनमें लखनऊ, पीलीभीत, एटा, अयोध्या, मुजफ्फरनगर, सुल्तानपुर, बांदा, बिजनौर, बाराबंकी, कौशांबी एवं मुरादाबाद जिलों की संपत्तियां शामिल हैं। पर्यवेक्षक विद्यासागर ने चेतावनी देते हुए कहा कि कूट रचित दस्तावेजों के सहारे वर्षों से शत्रु संपत्तियों पर कब्जा जमाए लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर क्षेत्र के साथ-साथ जिले के अन्य इलाकों में स्थित कई शत्रु संपत्तियां विभाग की निगरानी में हैं और उनकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा शत्रु संपत्तियों का पारदर्शी तरीके से निस्तारण कर उन्हें वैधानिक प्रक्रिया के तहत नीलाम करने की है।

हिस्ट्रीशीटर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, इलाके में सनसनी

सुल्तानपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र अंतर्गत पलहीपुर ग्राम में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब हिस्ट्रीशीटर देवी प्रसाद यादव उर्फ राणा ने कथित रूप से पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच और परिजनों से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि देवी प्रसाद यादव पिछले कुछ समय से अवसाद में चल रहे थे। इसी कारण उन्होंने स्वयं को गोली मार ली। घटना की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मौके का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए गए। पुलिस को मृतक के बाएं जेब से एक खाली मैगजीन बरामद हुई है, जबकि पास में ही पिस्टल भी पड़ी मिली। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लोकेशन खोजने से लेकर 'नेक्स्ट' बटन तक अटक रही प्रक्रिया, छूट रहे पसीने, सर्वर स्लो होने से परेशानी

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। जनगणना की ऑनलाइन स्वगणना प्रक्रिया तकनीकी दिक्कतों में उलझती नजर आ रही है। कहीं सर्वर बार-बार ठप हो रहा है तो कहीं जीपीएस मकान की सही लोकेशन ही नहीं खोज पा रहा है। ऐसे में लोग ऑनलाइन स्वगणना का प्रयास छोड़कर प्रगणकों के घर आने का इंतजार कर रहे हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी मकान की लोकेशन दर्ज करने में सामने आ रही है। पोर्टल पर जीपीएस ऑन करने के बावजूद घर की लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही। किसी का मकान दूसरे मोहल्ले में दिख रहा है तो किसी की लोकेशन बार-बार बदल जा रही है।

नई कॉलोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों में समस्या और गंभीर बनी हुई है। स्थिति यह है कि मोबाइल हाथ में लेकर घर के बाहर और गलियों में घूमने के बाद भी सिस्टम सही लोकेशन नहीं पकड़ रहा। खड़सरा निवासी मधुरेंद्र सिंह ने बताया कि 15 से 20 बार प्रयास करने के बाद भी स्वगणना पूरी नहीं हो सकी।

लॉगिन के बाद किसी तरह घर की लोकेशन जीपीएस पर कंफर्म की, लेकिन इसके बाद आगे बढ़ने के लिए 'सेव' और 'नेक्स्ट' विकल्प ही नहीं खुला। हर बार प्रक्रिया दोबारा शुरू करनी पड़ रही है।

जगदरा निवासी चंद्रप्रकाश का कहना है कि कई बार कोशिश करने के बावजूद पोर्टल उनके मकान की लोकेशन नहीं खोज पाया। पंदह निवासी अनूप राय ने बताया कि ओटीपी आने में इतना समय लग जा रहा कि तब तक पेज ही एक्सपायर हो जा रहा है।

वहीं करमौता निवासी अतुल राय ने बताया कि नाम, पता और परिवार के सदस्यों का विवरण भरने के बाद भी डेटा सेव नहीं हो रहा। कई बार 'सबमिट' और 'नेक्स्ट' बटन काम करना बंद कर दे रहे हैं। इसके अलावा मोबाइल फोन पर पोर्टल सही तरीके से नहीं खुलने और हिंदी फॉन्ट में गड़बड़ी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इंटरनेट की थोड़ी धीमी गति होते ही पूरी प्रक्रिया अटक जा रही है। जनसेवा केंद्र संचालक संतोष सिंह का कहना है कि पहली बार बड़े स्तर पर डिजिटल लोकेशन टैगिंग और ऑनलाइन सत्यापन की व्यवस्था लागू की गई है। ऐसे में शुरुआती दिनों में सर्वर पर बढ़े दबाव और तकनीकी समन्वय की कमी के कारण समस्याएं सामने आ रही हैं। बताया कि तकनीकी खामियां जल्द दूर नहीं हुईं तो बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन स्वगणना से दूरी बना लेंगे।

भूड़बराल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एआई-सक्षम पोर्टेबल एक्स-रे मशीन का शुभारंभ

मेरठ। ग्राम भूड़बराल स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी टीबी उन्मूलन मुहिम को नई गति देने के उद्देश्य से एआई-सक्षम पोर्टेबल हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अरुण विकल ने कहा कि यह आधुनिक मशीन ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगी और टीबी जैसी गंभीर बीमारी की समय रहते पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्राम प्रधान अरुण विकल ने बताया कि इस अत्याधुनिक मशीन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है तथा मात्र 1 से 2 मिनट के भीतर टीबी की प्रारंभिक पहचान संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार लोगों को जांच के लिए शहरों के बड़े अस्पतालों तक जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की समस्या होती थी, लेकिन अब यह सुविधा गांव स्तर पर ही उपलब्ध हो जाएगी।

जेवर एयरपोर्ट जाना हुआ और भी आसान, नोएडा से लेकर दिल्ली-गाजियाबाद तक... चलेंगी 50 इलेक्ट्रिक बसें

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा गाजियाबाद और जेवर एयरपोर्ट के बीच सफर करने वाले लोगों को जल्द बड़ी राहत मिलने जा रही है। नोएडा प्राधिकरण पहले चरण में 50 इलेक्ट्रिक बसे सड़कों पर उतारने की तैयारी में जुट गया है। इन बसों में यात्रियों को मोबाइल ऐप के जरिए टिकट बुकिंग और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा मिलेगी। बसों का न्यूनतम किराया 10 से शुरू होगा। जबकि, लंबी दूरी के रूट पर लगभग 50 रुपये तक किराया तय किया जाने की योजना है। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, अगले दो महीनों में बस सेवा शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। बुधवार को प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने अधिकारियों के साथ बैठक कर इलेक्ट्रिक बस परियोजना की तैयारी की समीक्षा की है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि इन बसों को सिटी बस सेवा के रूप में संचालित किया जाएगा। बसों में सीट बुकिंग के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च किया जाएगा, जिससे यात्री ऑनलाइन टिकट बुक कर सकेंगे और डिजिटल भुगतान भी कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि बस सेवा सिर्फ नोएडा ग्रेटर नोएडा तक सीमित नहीं रहेगी। बल्क, दिल्ली के सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद रैपिड मेट्रो स्टेशन और जेवर एयरपोर्ट तक भी चलाई जाएगी।

सीईओ ने बताया कि बस संचालन के लिए जल्द एमओयू साइन किए जाएंगे और सभी रूट फाइनल कर लिए गए हैं। पहले चरण में 50 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इनमें 9 मीटर और 12 मीटर लंबी बसें शामिल होगी। बस संचालन के लिए ड्राइवर और कंडक्टर समेत करीब 150 कर्मचारियों का स्टाफ तैनात किया जाएगा। उन्होंने ये भी बताया कि कल 45 बसें नियमित रूप से रोड पर चलेंगी। जबकि, पांच बसों को स्टैंड बाय रखा जाएगा। इनमें 10 डबल डेकर वैसे भी शामिल होंगी। डबल डेकर बसें सेक्टर- 38 बोटैनिकल गार्डन से परी चौक तक चलाई जाएंगी।

हर 10 से 15 मिनट में मिलेगी बस, इन पांच रूटों पर होगा संचलन

प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हर रोड पर 10 से 15 मिनट के अंतराल में बस उपलब्ध रहेगी। बस सेवा शुरू होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। इन बसों का संचालन पांच रूटों पर शुरू किया जाएगा, जिसमें सेक्टर- 90 डिपो और बोटैनिकल गार्डन से ग्रेटर नोएडा, वेस्ट गौर सिटी, एक मूर्ति तक। सेक्टर- 90 डिपो बोटैनिकल गार्डन से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर तक। सेक्टर- 90 डिपो बोटैनिकल गार्डन से सेक्टर- 62 तक। सेक्टर- 90 डिपो और बोटैनिकल गार्डन से फेज-2, सूरजपुर कलेक्टरेट, ग्रेटर नोएडा, सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और आईएसबीटी तक विशेष रूट सेवा शुरू की जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए अलग मोबाइल ऐप लॉन्च किया जाएगा। ऐप के जरिए लोग सीट बुकिंग, किराया भुगतान और बस की लोकेशन जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना से सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा और निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी।

ग्राम विकास आयुक्त ने अनियमितता पर बीडीओ के खिलाफ जांच के दिये आदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बी.डी.ओ. दुबेपुर के द्वारा ग्राम करमपुर परवरभार मे स्थिति रघुवर तालाब की जे.सी.बी. से खुदाई के मामले मे तथ्य गोपन से आई.जी.आर.एस. निस्तारण पर ग्राम विकास आयुक्त ने दिये जांच के आदेश संलिप्त व्यक्तियों मे कार्यवाही का डर सताने लगा है। मामला ग्राम करमपुर परवरभार मे स्थिति रघुवर तालाब की जे. सी. बी. से खुदाई से जुडा हुआ है, ग्राम प्रधान व सचिव के द्वारा मनरेगा अंतर्गत संचालित योजना से लगभग आठ लाख की स्वीकृति प्राप्त की गयी थी। ग्राम प्रधान व सचिव की संलिप्तता से मनरेगा श्रमिक से खुदाई न कराकर जे.सी.बी. मशीन से करायी जा रही थी ग्रामवासियो के विरोध किये जाने पर ग्राम प्रधान व अन्य भाग खड़े हुये जिसकी शिकायत जगन्नाथ मौर्य सुत राम केवल के द्वारा उच्चधिकारियो को की गयी। खण्ड विकास अधिकारी की संलिप्तता के आधार पर भ्रामक तथ्यों कि तालाब की खुदाई के सम्बन्ध मे थाना धम्मोर मे एफ.आई.आर. पंजीकृत हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया है का उल्लेख करते आईजीआरएस का निस्तारण कर दिया जाता रहा है। शिकायतकर्ता द्वारा एस.पी. सुल्तानपुर से जनसूचना अधिकार के अंतर्गत एफआईआर के सम्बन्ध मे कार्यवाही की सूचना चाही गयी तो पता चला कि थाने पर कोई भी प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है के सम्बन्ध मे शिकायतकर्ता द्वारा उच्चाधिकारी को शिकायत की गयी जिस पर ग्राम विकास आयुक्त लखनऊ के द्वारा मामले पर संज्ञान लेते हुये बी.डी.ओ. दुबेपुर की जांच किये जाने के आदेश दिये कार्यालय मे संलिप्त व्यक्तियों को भी कार्यवाही का डर सताने लगा है।

गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की महासमृद्धि का महामार्ग बनेगा: केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे केवल एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश को विकास, निवेश, रोजगार और महासमृद्धि की दिशा में आगे ले जाने वाला परिवर्तनकारी महामार्ग साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में आधारभूत ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसका लाभ आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने में मिलेगा।उप मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ स्थित होटल द सेन्ट्रम में टाइम्स नाउ नवभारत द्वारा आयोजित 'नवनिर्माण मंच - गंगा एक्सप्रेसवे : उत्तर प्रदेश प्रगति का महामार्ग' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक

कॉरिडोर और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्य "विकसित उत्तर प्रदेश" के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम के विषय "महामार्ग से महासमृद्धि" पर बोलते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार "विरासत भी, विकास भी" की सोच के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार एक ओर प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है।उन्होंने कहा कि आज वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऊर्जा संरक्षण और राष्ट्रहित में किए गए आह्वान को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री की सोच में राष्ट्रहित सर्वोपरि है और भारत सदैव "विश्व बंधुत्व" तथा "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना का समर्थक रहा है।उप मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी से ही समाज और राष्ट्र निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होता है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वहां पहुंचकर देश की सांस्कृतिक विरासत और आस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। यह देश की सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश है।लोकतांत्रिक मूल्यों पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार न्याय, लोकतंत्र और सम्मानजनक संवाद की पक्षधर है। लोकतंत्र में स्वस्थ संवाद और सकारात्मक राजनीति की अहम भूमिका होती है और सरकार विपक्षी दलों के प्रति भी सम्मानजनक व्यवहार की पक्षधर है।उप मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को देश की विकास यात्रा का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उत्तर प्रदेश ने नौ वर्षों में विकास और सुशासन की नई मिसाल कायम की: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार के बीते नौ वर्ष सेवा, सुशासन और विकास को समर्पित रहे हैं। सरकार ने गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।उपमुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ स्थित होटल ताज में आयोजित "द टाइम्स ऑफ इंडिया कॉन्क्लेव – डिफाइनिंग 9 ईयर्स ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन : फ्रॉम प्रोग्रेस टू प्रॉस्पेरिटी – उत्तर प्रदेश लीड्स अहेड" कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

सीएम का बड़ा फैसला, आपदा में मौत पर चार लाख रुपये की मिलेगी आर्थिक मदद; अधिक फसल क्षति पर मुआवजे का आदेश

लखनऊ। प्रदेश में आंधी, अतिवृष्टि और बिजली गिरने से हुई जनहानि होने पर 4 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पशुहानि, फसलों के नुकसान और खेतों से गाद हटाने के लिए आर्थिक मदद देने का निर्देश दिया है। प्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदा में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देगी। इसके अलावा 33 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

यह वर्षा सिंचित क्षेत्र में 8500 रुपये प्रति हेक्टेयर, सुनिश्चित सिंचित क्षेत्र में 17 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा 12 माही फसलों और कृषि वानिकी के लिए 22,500 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित किया गया है। यह सहायता अधिकतम दो हेक्टेयर भूमि वाले किसानों को दी जाएगी।

फर्जी बैनामा कर करोड़ों की संपत्ति हड़पने की साजिश नाकाम, वजीरगंज पुलिस ने आरोपी को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना वजीरगंज पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर दूसरे व्यक्ति के नाम से बैनामा कराने वाले एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा किया है। आरोपी पर फर्जी पहचान बनाकर रजिस्ट्री कार्यालय में संपत्ति का बैनामा कराने का आरोप है। पुलिस ने उसके कब्जे से बैंक पासबुक, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस समेत कई दस्तावेज बरामद किए हैं। मामले में उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।पुलिस के अनुसार, जौनपुर जनपद के सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र निवासी विनोद पुत्र स्वर्गीय अमरजीत ने 13 मई को थाना वजीरगंज में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अखिलेश कुमार मिश्रा ने खुद को "विनोद कुमार" बताकर उनके नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार किए और रजिस्ट्री कार्यालय में फर्जी बैनामा करा लिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना वजीरगंज पुलिस ने मु0अ0सं0 111/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।विवेचना के दौरान वादी द्वारा लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर पुलिस ने कार्रवाई तेज की। गुरुवार तड़के करीब 1:20 बजे पुलिस ने मुख्य आरोपी अखिलेश कुमार मिश्रा पुत्र शिवनारायण मिश्रा निवासी बेगरिया, थाना दुबग्गा, लखनऊ, जो वर्तमान में हरदोई के बघौली चौराहे पर रह रहा था, को उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने पैसों के लालच में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रजिस्ट्री कार्यालय में फर्जी बैनामा कराया था।

ई-रिक्शा से दफ्तर पहुंचे उद्यान मंत्री, ईंधन बचत और 'नो व्हीकल डे' को जनआंदोलन बनाने का आह्वान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। वैश्विक परिस्थितियों के मद्देनज़र ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक नई पहल शुरू की है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में अपने सरकारी आवास से ई-रिक्शा के माध्यम से उद्यान निदेशालय पहुंचकर जनसंदेश दिया कि सार्वजनिक परिवहन अपनाना समय की आवश्यकता हैगौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास से उद्यान निदेशालय तक ई-रिक्शा से पहुंचे मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि यदि आमजन सप्ताह में कुछ दिन भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें

तो ईंधन की खपत, वायु प्रदूषण और ट्रैफिक दबाव में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वैश्विक हालात को देखते हुए ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर की गई अपील को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है।इस अवसर पर उद्यान विभाग में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने मुख्यालय, मंडल और जनपद स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने विभागीय स्तर पर ईंधन और ऊर्जा व्यय में कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को "नो व्हीकल डे" मनाने तथा कार्यालय आने-जाने में सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए।मंत्री ने यह भी कहा कि अनावश्यक यात्राओं से बचते हुए अधिकतम बैठकें ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएं। साथ ही समान मार्ग से आने-जाने वाले अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय बनाकर एक ही वाहन का उपयोग करें, जिससे ईंधन की बचत सुनिश्चित की जा सके।ऊर्जा संरक्षण को लेकर भी उद्यान मंत्री ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में एयर कंडीशनर का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से कम न रखा जाए और कार्य समाप्ति के बाद सभी विद्युत उपकरण अनिवार्य रूप से बंद किए जाएं। इसके अलावा सरकारी भवनों और प्रक्षेत्रों में सोलर पैनल लगाने, सिंचाई के लिए सोलर पंप को बढ़ावा देने तथा अनावश्यक स्ट्रीट लाइटों के उपयोग को रोकने के निर्देश भी दिए।उद्यान मंत्री ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए राजकीय पौधशालाओं और प्रक्षेत्रों में जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही

सलारगंज जुग्गौर के पास रेलवे ट्रैक पर मजदूर का शव मिलने से सनसनी

लखनऊ। राजधानी के थाना बीबीडी क्षेत्र में गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक मजदूर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्राम सलारगंज जुग्गौर के निकट रेलवे लाइन पर शव पड़े होने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी।*पुलिस के अनुसार, सुबह करीब सात बजे सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सलारगंज जुग्गौर के निकट रेलवे ट्रैक पर पोल संख्या 1079/7 एवं 1079/6 के बीच एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना बीबीडी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक के आसपास क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने के प्रयास शुरू किए।जांच और शिनाख्त के दौरान मृतक की पहचान पुत्तू पुत्र रंजीत निवासी ग्राम नौरंगाबाद, थाना सिंघाई, जनपद लखीमपुर खीरी के रूप में हुई।

राष्ट्रहित में सादगी, बचत और स्वदेशी अपनाएं : पंकज चौधरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने प्रदेश के पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, किसानों, निजी संस्थानों और आम नागरिकों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जीवनशैली में सादगी, बचत और स्वदेशी भावना अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता, जनभागीदारी और राष्ट्रहित के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और आर्थिक चुनौतियों के बीच प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नागरिकों से अपनी जीवनशैली में कुछ सकारात्मक बदलाव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सामान्य अपील नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होती है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित बनाने के लिए हम सभी को मिलकर योगदान देना होगा। उन्होंने लोगों से पेट्रोल और डीजल का उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार करने की अपील करते हुए सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने "वोकल फॉर लोकल" के मंत्र को अपनाते हुए स्वदेशी और भारत में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने की बात कही।उन्होंने कहा कि अनावश्यक विदेशी यात्राओं और फिजूलखर्ची से बचकर भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। किसानों से अपील करते हुए पंकज चौधरी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया। वहीं आमजन से खाद्य तेल और अन्य संसाधनों का संयमित उपयोग करने की अपील की, ताकि देश की आयात निर्भरता कम हो सके।निजी संस्थानों से अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे ईंधन की बचत के साथ प्रदूषण में भी कमी लाई जा सके। पंकज चौधरी ने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस प्रेरणादायी आह्वान को जनआंदोलन का रूप देने की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने दैनिक जीवन में आवश्यक बदलाव का संकल्प लें।

संक्षेप

चेक बाउंस मामले में वांछित वारंटी गिरफ्तार, गुडम्बा पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर की कार्रवाई

लखनऊ। थाना गुडम्बा पुलिस ने न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर लंबे समय से गैरहाजिर चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ चेक बाउंस (एनआई एक्ट) के मामले में न्यायालय से वारंट जारी हुआ था। पुलिस ने उसे उसके आवास से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, माननीय न्यायालय अतिरिक्त कक्ष संख्या-01, लखनऊ द्वारा क्राइम संख्या 584112/24, धारा 138 एनआई एक्ट, थाना गुडम्बा से संबंधित जारी वारंट के अनुपालन में कार्रवाई की गई। इसी क्रम में थाना गुडम्बा पुलिस ने रवि जायसवाल पुत्र राकेश जायसवाल निवासी प्लॉट संख्या-5, गाटा संख्या-5, बसहा, हैरिसन हॉस्पिटल के निकट, कुर्सी रोड, थाना गुडम्बा, लखनऊ को गुरुवार को उसके पते से गिरफ्तार किया।बताया गया कि आरोपी न्यायालय द्वारा बार-बार उपस्थित होने के आदेश के बावजूद अदालत में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहा था और निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो रहा था।गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है तथा उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने की आत्महत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में एक युवती को कथित रूप से मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना देकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में कई अन्य नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिनकी तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार, 13 मई 2026 को गोरखपुर निवासी सुधीर कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय चन्द्रभान सिंह ने थाना गोमतीनगर विस्तार में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी पुत्री रत्ना सिंह (31 वर्ष) को कुछ लोगों द्वारा लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। शिकायत में कहा गया कि प्रताड़ना से परेशान होकर उनकी पुत्री ने आत्महत्या कर ली।तहरीर के आधार पर थाना गोमतीनगर विस्तार में मु0अ0सं0-91/2026 के तहत धारा 108 बीएनएस में शरद सिंह, पल्लवी जोशी, मंगलनाथ यादव, वैशाली, प्रशांत शर्मा समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने विवेचनात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए आरोपियों की तलाश तेज कर दी।पतारसी और सुरागरसी के दौरान गुरुवार को पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपी मंगलनाथ यादव पुत्र कैलाश यादव निवासी ग्राम बतरौली पाण्डेय, थाना खुखुन्दू, जनपद देवरिया को गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र के सेक्टर-1 स्थित ग्वारी पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की विवेचना जारी है और साक्ष्य संकलन के आधार पर अन्य नामजद आरोपियों शरद सिंह, पल्लवी जोशी, वैशाली, प्रशांत शर्मा तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जल्द ही आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मंगलनाथ यादव के खिलाफ पहले भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उस पर वर्ष 2018 में लखनऊ के गाजीपुर थाने में मारपीट और सीएलए एक्ट तथा वर्ष 2020 में देवरिया के खुखुन्दू थाने में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी से संबंधित मामला दर्ज हो चुका है।इस गिरफ्तारी अभियान को गोमतीनगर विस्तार थाना प्रभारी शिव कुमार सिंह, उपनिरीक्षक मिथलेश सिंह और कांस्टेबल सुनील कुमार की टीम ने अंजाम दिया।

नीट पेपर लीक पर कांग्रेस का हमला, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और NTA को भंग करने की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य जोन के कार्यवाहक अध्यक्ष अंकित तिवारी और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान ने भाजपा सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) पर गंभीर आरोप लगाए। वक्ताओं ने कहा कि नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक ने लाखों छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाया है।प्रेसवार्ता में आरोप लगाया गया कि NTA परीक्षा संचालन में लगातार विफल साबित हो रही है और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही से बच रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि बार-बार पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और मेहनतकश युवाओं का मनोबल टूट रहा है।अंकित तिवारी ने कहा कि

भाजपा की "डबल इंजन सरकार" अब "पेपर लीक उद्योग" में बदल चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्षों में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे युवाओं और उनके अभिभावकों के सपनों को नुकसान पहुंचा है। उनका कहना था कि सरकार की कथित भ्रष्ट व्यवस्था के चलते पेपर माफियाओं को संरक्षण मिल रहा है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।अनस रहमान ने कहा कि NTA अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है और नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए पारदर्शी और सुरक्षित परीक्षा प्रणाली जरूरी है।प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए NTA को तत्काल समाप्त कर नई एजेंसी गठित करने की मांग उठाई। उनका कहना था कि इससे परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा सकेगा तथा छात्रों और अभिभावकों का भरोसा बहाल होगा।

विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने निकले नगर आयुक्त, कई परियोजनाओं को जून अंत तक पूरा करने के निर्देश

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार को राजधानी में चल रही विभिन्न महत्वपूर्ण विकास और निर्माण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्धता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव एवं चीफ इंजीनियर सिविल महेश वर्मा भी मौजूद रहे।नगर आयुक्त ने सबसे पहले कैसरबाग स्थित चकबस्त में निर्माणाधीन जोनल कार्यालय एवं पार्किंग परियोजना का निरीक्षण किया। इसके बाद नगर आयुक्त ने जोन-8 क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्रिड (सीएम ग्रिड) योजना के तहत इग्नू रीजनल सेंटर के पास बन रही सड़कों एवं रजनी खंड क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

गाजीपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आपराधिक वारदात की फिराक में घूम रहे दो शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के थाना गाजीपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक किशोर को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह सुतली बम, एक अवैध तमंचा .315 बोर, दो जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपी किसी गंभीर आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को थाना गाजीपुर पुलिस टीम अपराध नियंत्रण एवं संदिग्ध व्यक्ति-वाहन चेकिंग अभियान के तहत सेक्टर-14 पावर हाउस के पास जांच कर रही थी। इसी दौरान मुंशी पुलिया की तरफ से बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक विपरीत दिशा से आते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर तीनों ने अचानक पीछे मुड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन जल्दबाजी में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों को घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल चला रहे युवक ने अपनी पहचान तफहीम पुत्र अयूब निवासी ग्राम धधरा, थाना बद्दूपुर, जनपद बाराबंकी के रूप में बताई। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। वहीं दूसरे आरोपी बृजेश पुत्र राजेश निवासी ग्राम बसहरा, थाना कुर्सी, जनपद बाराबंकी के पास से छह सुतली बम बरामद किए गए।

24 घंटे में ई-रिक्शा चोरी का खुलासा, सआदतगंज पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना सआदतगंज पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया ई-रिक्शा बैटरी सहित बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी और आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।पुलिस के अनुसार, 13 मई को मो. फहीम पुत्र स्वर्गीय अहमद अली निवासी कटरा विजन वेग, थाना सआदतगंज ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका सफेद रंग का ई-रिक्शा (नंबर यूपी32एक्सएन7339) घर के बाहर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। शिकायत के आधार पर थाना सआदतगंज में मु0अ0सं0 101/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए थाना सआदतगंज पुलिस की टीम गठित की गई। गुरुवार को पुलिस टीम बड़ा चौराहा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि एलडीए कॉलोनी रोड पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में ई-रिक्शा खड़ा कर उसकी बैटरी निकालने का प्रयास कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को हिरासत में ले लिया।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम इमरान पुत्र स्वर्गीय रहीशुल हसन बताया, जो वर्तमान में रुस्तमनगर, थाना सआदतगंज में किराये के मकान में रह रहा था और मूल रूप से पिहानी, हरदोई का निवासी है। जांच के दौरान ई-रिक्शा की नंबर प्लेट पर यूपी32एक्सएन7339 अंकित मिला, जो दर्ज मुकदमे में चोरी गए वाहन से मेल खाता था।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, मारपीट और गाली-गलौज के आरोप में युवक गिरफ्तार

गुडम्बा पुलिस ने सीतापुर से दबोचा आरोपी, युवती की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के थाना गुडम्बा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने, मारपीट और गाली-गलौज के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ युवती की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसकी विवेचना की जा रही थी। पुलिस ने आरोपी को उसके गृह जनपद सीतापुर से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, पीड़िता द्वारा 13 मार्च 2026 को थाना गुडम्बा में प्रवीण शुक्ला पुत्र अमरपाल शुक्ला निवासी ग्राम खोजेपुर, थाना पिसांवा, जनपद सीतापुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने

दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके अलावा विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट भी की गई। मामले में थाना गुडम्बा पर मु0अ0सं0 118/2026 के तहत धारा 69/352/115(2) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया था।मामले की विवेचना उपनिरीक्षक दिग्विजय यादव द्वारा की जा रही थी। पुलिस टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पतारसी और सुरागरसी के दौरान बुधवार शाम करीब 6:15 बजे पुलिस ने आरोपी प्रवीण शुक्ला को उसके गांव खोजेपुर, थाना पिसांवा, जनपद सीतापुर से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने पीड़िता के साथ दोस्ती होने और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोपों को स्वीकार करने की बात कही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में गाली-गलौज और मारपीट की घटना की भी जानकारी दी है।गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इस गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक दिग्विजय यादव, उपनिरीक्षक यशपाल सिंह और हेड कांस्टेबल राजन त्रिपाठी शामिल रहे।

भाजपा की बंगाल फतह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अहम योगदान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 25 वर्षों की मेहनत का परिणाम है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस को हरा कर 207 सीट जीती और सत्ता हासिल की ।यह चमत्कार एक दिन या साल में नहीं हुआ बल्कि एक चौथाई शताब्दी लग गई। 21वीं सदी के आरंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य गतिशीलता से आरंभ हुआ हालांकि संघ आजादी के बाद से ही पश्चिमी बंगाल में जड़े जमाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन इस कार्य तेजी जब आई तब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में सरकार बनी । तत्कालीन समय में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक माखनलाल सरकार ने विद्या भारती की स्थापना की और कोलकाता में सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित किए गए। धीरे धीरे ग्राम भारती, संस्कृत भारती, विश्व हिंदू परिषद, बनवासी कल्याण परिषद, मजदूर संघ,आदि संगठन बाजूद में आए। मजदूर संघ के प्रचारक तपन चक्रवर्ती कहते हैं कि लेफ्ट पार्टियों की सरकार ने इन संगठनों पर लगाम लगाने की कोशिश की । सीपीएम, सीपीई, आरएसपी के लोगों ने सरस्वती शिशु मंदिर को जलाने की कई कोशिशें की। कई शिक्षक मारे गए। लेकिन संघ ने हार नहीं मानी ।2010 के आते जाते 5000 से अधिक विद्यालय स्थापित हो गया था।

ये विद्यालय बिना शासकीय मदद के संचालित हो रहे थे। लेकिन बंगाल में कार्य करना आसान नहीं होता था।इन विद्यालयों में ग्राम भारती, संस्कृत भारती, बनवासी कल्याण परिषद, सेवा भारती,के प्रकल्प शामिल है कुछ विद्यालय विवेकानन्द विद्या विकास समिति के माध्यम से भी संचालित हैं। भारत में पहला सरस्वती शिशु मंदिर गोरखपुर में 1952 में नाना जी देशमुख ने स्थापित किया था।

आजादी के समय जो देश का विभाजन हुआ उसमें मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र को पाकिस्तान में शामिल किया गया और वह क्षेत्र आजादी के बाद पूर्वी पाकिस्तान कहलाया इस हिस्से में हिंदू भी थे जिन्होंने भागकर पश्चिमी बंगाल में शरण ली ऐसा पंजाब में भी हुआ था। लेकिन तब भी पश्चिमी बंगाल में अच्छीखासी संख्या में मुस्लिम रह गए और वे भारत के नागरिक बने ।इनकी संख्या,25 फीसदी के आसपास पहुंच गए हैं। मिदनापुर,मालदा, वीरभूमि, मुर्शिदाबाद, उतर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, प्रेसीडेंसी, कोलकाता में 35 फीसदी तक मुस्लिम होगए।इस कारण ये लोग हिंसा करने को उतारू हो गए। हिंदू आवादी प्रायः शांत रहने की आदी है। दूसरे मुस्लिम वोट पहले सीपीएम, सीपीई, क्रस्क्क लेफ्ट पार्टियों जाता था और बाद में तृणमूल कांग्रेस से जुड़ गया जबकि हिन्दू वोट का बटवारा हो जाता था जिससे कोई भी पार्टी जीतती वह मुस्लिम तुष्टिकरण करती है। सरकारी योजनाओं का मुस्लिम जम कर उठा रहे थे। पूरे बंगाल में इस प्रकार का माहौल हो गया था।संघ की पत्रिका के संपादक जॉय बनर्जी कहते हैं कि संघ इस बात को लेकर चिंतित था। 2011में ममता बनर्जी बंगाल में सत्ता आई तो कुछ मामला ठीक हुआ लेकिन लेफ्ट पार्टियों में मुस्लिमों को खासा समर्थन था।2016 में भारतीय जनता पार्टी ने चुनावों में 11.42 वोट हासिल किए तो संघ को लगा कि अब मौका है। दूसरी ओर मोदी सरकार केंद्र में स्थापित हो गई थी तो सुरक्षा में भी इजाफा हुआ।

2019 के लोकसभा चुनाव में अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 लोकसभा सीट जीतकर सत्ता परिवर्तन का रास्ता खोल दिया था। 2021 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरी कोशिश की।

तो भारतीय जनता पार्टी को आंशिक सफलता मिली लेकिन 77 विधायक चुने गए।2021 से 2026 तक के कालखंड में शिवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, लॉकेट चटर्जी,आदि नेताओं ने जमकर तुड़मूल का सड़को पर विरोध किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनजागरण का कार्य किया। लोगो का तुड़मूल में बहुत विरोध हुआ। संदेश खाली,आर जी कर जैसी महिलाओं पर अत्याचार जैसी घटनाएं हुई।

2025 का विधानसभा चुनाव बंगाल के हिंदुओं के लिए अंतिम मौका था । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दो लाख बैठके जनजागरण के लिए की । एस आई आर मतदाता सूची के गहन परीक्षण से साठ लाख लोगों को फर्जी वोटर पाया।चुनाव आयोग ने 2400 बटालियन सीआरपीएफ की लगाई जो मतदाता को निर्भय होकर मतदान कराना निश्चित किया ।तब जाकर रिकॉर्ड 93 फीसदी मतदान हुआ । हिंदुओं के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं की स्थिति थी इस चुनाव में। हिंदुओं का 70 फीसदी तक ध्रुवीकरण हुआ भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में।

पीएम मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है।

ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है। एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया।

टिप्पणी

भाजपा क्षमता अब कमजोर

विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश है कि जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। मगर प्रधानमंत्री इससे बेखबर नजर आए। नतीजतन, राजनीतिक गतिरोध अब और बढ़ेगा।

अपने 12 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी विधायी पराजय का सामना करने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार आत्म-निरीक्षण करे, तो वह विश्वास, पारदर्शिता, और साफ़गोई का महत्त्व बेहतर ढंग से समझ सकती है। मकसद परिसीमन था, तो उस पर महिला आरक्षण का मुलम्मा चढ़ाने क्या जरूरत थी? विपक्ष चकमा खा जाएगा या महिला विरोधी ना दिखने की जुगत में लोकसभा सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी को अपना समर्थन दे देगा, ऐसी सोच रखना अपनी बुद्धि पर अत्यधिक यकीन ही माना जाएगा।

दांव शायद भी था कि चूंकि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें सबसे ज्यादा बढ़ने वाली थीं, इसलिए समाजवादी पार्टी अपनी क्षेत्रीय गणना के तहत विपक्षी खेमे से टूट जाएगी। मगर ऐसी सोच साम-दाम- दंड-भेद के नजरिए को जाहिर करती हैं। अब साफ है कि ऐसे नजरिये के कामयाब होते रहने की समयसीमा होती है। बढ़ी आबादी को देखते हुए लोकसभा की सदस्य संख्या में बढ़ोतरी अतार्किक नहीं है। ना ही सैद्धांतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया जा सकता है। मगर मुद्दा वो संदर्भ है, जिसमें ये पहल की गई। भाजपा सरकार के व्यवहार एवं नीतियों से राजनीतिक वर्ग में गहरा अविश्वास पैदा हुआ है। संवाद के मंचों को खत्म करना, राज्यपालों के जरिए गैर-भाजपा सरकारों को परेशान करना, मजहब- भाषा आधारित विभाजक एजेंडे को हवा देना, विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग आदि जैसी अनेक प्रवृत्तियां हैं, जिनका साया लोकतंत्र के मूलभूत तकाजों पर पड़ा है।

इसका ताजा शिकार परिसीमन की विधायी पहल हुई। बेहतर होता राष्ट्र के नाम प्रसारण में विपक्ष को कोसने के बजाय प्रधानमंत्री इन प्रश्नों पर आत्म-मंथन करते दिखते। नरेंद्र मोदी इस बार विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश समझने की कोशिश करते। संदेश यह है कि एजेंडा सेट करने और जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। विपक्ष का आकलन संभवतः यह है कि इन तरीकों से भाजपा जितना ध्रुवीकरण कर सकती थी, कर चुकी। बहरहाल, प्रधानमंत्री इससे बेखर नजर आए। नतीजतन, गतिरोध और बढ़ेगा। आगे का रास्ता सिर्फ संवाद से संभव है। मगर उसके लिए कम-से-कम इतनी ईमानदारी जरूरी होगी, जिससे दूसरे पक्ष में भरोसा पैदा हो।

ब्लॉग

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी। बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी, जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था। मैं उस कलकत्ता को जानता था। विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर में थी। कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है। बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली। यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा। श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं। कार्यकर्ता ये चंदा इक_ा करते थे। सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी। पूंजीपतियों को राज्य से निकाल बाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी। जबरन वसूली से त्रस्त आम नागरिकों के वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई। वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई। माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में, तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन के वादे पर सत्ता में आई। इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी-रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए। राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं। कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं। अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना था और उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था।

इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा। एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं।

जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान 'परिवर्तन की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों व केन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी। बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी हुई। उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता की थी। अप्रैल 2024 में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक भर्ती के तहत 25 हजार सात सौ तिरपन शिक्षकों, ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया। इन नियुक्तियों को भर्ती प्रक्रिया के शुरुआती दौर से ही अवैध पाया गया था। इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाया गया और देश की सर्वोच्च अदालत ने 2025 में इसे बरकरार रखा।

बंगाल के युवाओं को जीवन में एक मजबूत आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई स्कूली भर्ती की पूरी प्रक्रिया एक ऐसे अड्डे में तब्दील हो गई, जहां पदों को बेचा जा रहा था और वैध उम्मीदवार को भर्ती की कतार दिखाई ही नहीं दे रही थी। राशन घोटाला तो इस घोटाले से भी ऊपर था। इसमें एक और मौजूदा कैबिनेट मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक फंस गईं। इसके ऊपर मवेशी घोटाला, रिश्वतखोरी का धंधा और सिंडिकेट का राज था। मतदाता इन सभी गठजोड़ों को समझ गया। माफिया द्वारा संचालित राज्य में रिश्वत देने से इनकार करने वाला नागरिक सबसे पहले पीड़ति होता है।

इस रिकॉर्ड के सामने एक अलग ही तरह का रिकॉर्ड था। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ इक्कीस लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ। जल जीवन मिशन के तहत पंद्रह करोड़ नल-जल के कनेक्शन लगाए गए। जबकि, 2019 में यह आंकड़ा तीन करोड़ का था। आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग पचपन करोड़ लाभार्थियों को पांच लाख रुपये का वार्षिक कवरेज मिला। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने बंगाल के हर कल्याणकारी कार्यक्रम में होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। ये सभी काल्पनिक बातें नहीं हैं। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता ने इन्हीं बातों को आधार बनाकर वोट मांगा। उस आधार के पीछे एक नेटवर्क खड़ा था। पार्टी के बूथ के स्तर के कार्यकर्ताओं, पन्ना प्रमुखों, और चुनावी चक्रों के दौरान धमकियों, डरा-धमकाने और शारीरिक हिंसा का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में मतदाताओं के पंजीकरण, परिवहन और मतदान कराने के उन गैर-आकर्षक कामों को पूरा किया जिन्हें अन्य पार्टियों ने छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ धमकियां, केन्द्रीय बलों के लौट जाने के बाद होने वाले हाल से जुड़ी घोषणाएं और चुनाव के बाद की हिंसा के पिछले दौरों में गई जानें, ये सब कार्यकर्ताओं के लिए हवाई बातें नहीं थी। वे इन सब अनुभवों से गुजर चुके थे। माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह खुद बंगाल के विभिन्न जिलों में घूम-घूम कर देख रहे थे। कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों के भीतर पुराने कस्बे में दुबारा आते थे, क्योंकि वे जानते थे कि उनके कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे थे, वह महज चुनावी उलटफेर भर नहीं था। यह एक गढ़ को ढहाने जैसा था।

इस अभूतपूर्व जीत का सिरमौर बने चेहरे खुद अपनी कहानी बयान करते हैं। आर.जी. कर हत्याकांड के पीड़िता की मां श्रीमती रत्ना देबनाथ, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया था, ने 15 साल से चले आ रहे तृणमूल के गढ़ को ध्वस्त करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। श्रीमती रेखा पात्रा, जिन्होंने संदेशखाली में अपनी ही धरती पर राज्य द्वारा ठुकराए गए अधिकार की मांग रखी और उसी मांग को लेकर हिंगलगंज में चुनाव लड़ा। कुल 30 वर्षों तक वामपंथ और 15 वर्षों से तृणमूल के गढ़ रहे जिलों के मतदाताओं ने पहली बार कमल के निशान को चुना। रविवार, 4 मई 2026 को बंगाल ने हिसाब चुकता कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने 293 सीटों में से 206 सीटें जीतीं। दो अलग-अलग दलों के 49 वर्षों के माफिया शासन का अंत हो गया। यह केवल एक चुनावी जनादेश भर नहीं, बल्कि एक नैतिक जनादेश भी था।

जनता के इस निर्णायक फैसले पर पहले से ही सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत, 90 लाख अपात्र नाम हटा दिए गए। इन अपात्र नामों को 15 वर्षों से बनाए रखा गया था। अपात्र नामों को हटाने की कार्रवाई को हारने वाला पक्ष मतदाताओं का दमन बता रहा है। आंकड़े इस सवाल का जवाब देते हैं। जिन बीस निर्वाचन क्षेत्रों में संशोधन के दौरान सबसे अधिक नाम हटाए गए, उनमें से तृणूल कांग्रेस ने तेरह सीटें जीतीं। समसेरगंज, लालगोला, भगबानगोला, रघुनाथगंज और मेतियाबुरुज वैसे पांच निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां सबसे अधिक नाम हटाए गए। इन सभी में 2021 और 2026 के दोनों चुनावों में तृणूल के विधायक चुने गए। जीत का अंतर पुनरीक्षण के दौरान हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम रहने वाले उनतालीस निर्वाचन क्षेत्रों में से, छब्बीस सीटें भारतीय जनता पार्टी, इक्कीस सीटें तृणूल कांग्रेस और दो सीटें कांग्रेस ने जीतीं। लक्षित बहिष्करण से जीतने और हारने वाले दलों के बीच लगभग बराबर का बंटवारा नहीं होता। राज्य के इतिहास में सबसे अधिक 92.93 प्रतिशत मतदान ने इस सवाल का निपटारा कर दिया कि मतदाता सूची विश्वसनीय थी या नहीं। मतदाताओं के फैसले पर विवाद पैदा करके, पराजित दल केवल उस दादागिरी की ही पुष्टि कर रहा है जिसे मतदाताओं ने नकार दिया है। यह जनादेश मतदाताओं द्वारा किए जाए चयन के पीछे की बुद्धिमत्ता को भी साबित करता है।

बंगाल ने मतदान कर दिया है और वहां के लोगों ने अपना चुनाव कर लिया है। मतदाताओं की चाहत को समझना बहुत मुश्किल नहीं है। शांति और सड़कों पर पसरी हिंसा से मुक्ति। समृद्धि और उनके शहरों में रोजगारों की वापसी। स्थिरता और एक ऐसा प्रशासन, जो जीने देने के एवज में उनसे कोई रकम न ले। उस राज्य में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण, जिसने देश को पहला औद्योगिक क्षेत्र, उसकी वाणिज्यिक राजधानी और राष्ट्रीय प्रशासन के प्रारंभिक निर्माता दिए। जिस कलकत्ता में मैंने काम किया, उसे फिर से हासिल किया जा सकता है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत की दिशा में अपना योगदान फिर से देने के लिए बंगाल बिल्कुल तैयार है।

तूफान में टीन शेड के साथ उड़ गए नन्हे मियां, हाथ-पैर टूटे...

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में बुधवार आए चक्रवाती तूफान ने भारी तबाही मचाई। अचानक बदले मौसम और आंधी-बारिश ने लोगों को संभलने तक का मौका नहीं दिया। शहर के कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, बिजली के पोल गिर पड़े और कई मकानों को नुकसान पहुंचा। इस बीच, बारातघर की टीनशेड को बचाने की कोशिश कर रहे नन्हे मियां तेज बवंडर के साथ हवा में उड़ गए। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

नन्हे मियां एक बारातघर में मौजूद थे। तभी अचानक तूफान के साथ टीनशेड उखड़ने लगी। वहां मौजूद लोग जान बचाकर भागने लगे,

लेकिन नन्हे मियां टीनशेड को पकड़कर रोकने की कोशिश करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हवा इतनी तेज थी कि कुछ ही सेकेंड में पूरी टीनशेड उखड़ गई और नन्हे मियां भी उसके साथ हवा में कई फीट ऊपर उठ गए। आसपास मौजूद लोग यह मंजर देखकर चीख पड़े।

1 करोड़ का टर्म इंश्योरेंस प्लान

वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि तेज हवा के बीच टीनशेड अचानक ऊपर उठती है और उसके साथ नन्हे मियां भी हवा में लटकते नजर आते हैं। कुछ दूरी पर जाकर वह नीचे गिरे। हादसे में उनके हाथ-पैर टूट गए और शरीर में कई गंभीर चोटें आई हैं। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने जिंदगी में ऐसा भयानक तूफान पहले कभी नहीं देखा।

चार लोगों की मौत, कई परिवारों पर टूटा दुख

इस तूफान ने सिर्फ शहर ही नहीं बल्कि गांवों में भी जमकर तबाही मचाई। अलग-अलग हादसों में एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हो गई। भमोरा थाना क्षेत्र के हररामपुर गांव में 12 साल की देवकी बच्चों के साथ खेल रही थी। तभी तेज हवा के चलते नीम के पेड़ की सूखी टहनी टूटकर उसके ऊपर गिर गई। टहनी इतनी भारी थी कि देवकी उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

देवकी के पिता राजेश चौधरी ईंट-भट्टे पर मजदूरी करते हैं। बेटी की मौत के बाद पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। गांव वालों का कहना है कि इलाके में कई सूखे पेड़ लंबे समय से खड़े हैं, लेकिन उन्हें हटाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से जर्जर पेड़ों को कटवाने की मांग की है। उधर, भमोरा के नितोई गांव में भी दर्दनाक हादसा हुआ। वृद्ध महिला गोमती देवी बारिश और आंधी के बीच अपने दूसरे घर की ओर जा रही थीं। तभी तेज हवा में उड़कर आई लकड़ी की बल्ली उनके सिर पर आ गिरी। गंभीर चोट लगने से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गांव वालों के मुताबिक तूफान के दौरान हालात इतने खराब थे कि लोग घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे।

बिजली के पोल गिरे

शहर और देहात के कई इलाकों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। सैकड़ों बिजली के पोल गिरने से कई मोहल्लों में घंटों अंधेरा छाया रहा। कई जगह सड़क पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित रहा। प्रशासन और नगर निगम की टीमें देर शाम तक रास्ते साफ कराने में जुटी रहीं। मंगलवार को भी जिले में तेज तूफान आया था, लेकिन बुधवार का तूफान उससे कहीं ज्यादा खतरनाक साबित हुआ। लोगों का कहना है कि अचानक आए इस चक्रवाती तूफान ने कुछ ही मिनटों में सबकुछ बदल दिया। फिलहाल प्रशासन नुकसान का आंकलन करने में जुटा है।

सडक हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। गुरुवार सुबह नेवढ़िया थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गांव में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जलालपुर थाना क्षेत्र के सुआरी पसियाही गांव निवासी यश गुप्ता अपने ननिहाल नेवढ़िया थाना क्षेत्र के अहिरौली कुत्तूपुर गांव में थे। वह स्कूटी से इटाएं बाजार जा रहे थे, तभी हरसिंहपुर गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि यश गुप्ता की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। परिजनों ने बताया कि यश गुप्ता गुरुवार को ही मुंबई जाने की तैयारी में थे। उनका गोदान एक्सप्रेस का टिकट भी आरक्षित था। उनके माता-पिता मुंबई में रहते हैं। यश अपने दो भाइयों में सबसे बड़े थे और उनकी एक बहन भी है। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और नेवढ़िया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पर्यावरण संरक्षण धरातल पर उतारने की जरूरत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य के द्वारा जनपद के विकास खण्ड जलालपुर अन्तर्गत अभिनव पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुकड़ीपुर में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन संस्थाध्यक्ष अवधेश गिरि और संस्था के गतिविधि संयोजक पर्यावरण डा. गिरीश सिंह के नेतृत्व में किया गया। छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निबन्ध लेखन, पेंटिंग, संवाद से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण विषयक महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई और प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। मुख्य अतिथि डा. शैलेन्द्र कुमार सिंह प्रधानाचार्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को हमें धरातल पर उतारने की आश्यकता है जिससे

इसके वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। संस्थाध्यक्ष अवधेश गिरि ने कहा कि हम सभी इस संगठन के संस्थापक अध्यक्ष डा. सन्दीप पाण्डेय के मार्ग निर्देशन में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के जरिये सेवाकार्य में लगे हुए हैं। कोषाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने कहा कि भौतिक संसाधनों के विकास की दौड़ में हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं जो आगामी पीढ़ियों के खतरनाक साबित होगा, इसलिए समय रहते प्रकृति का संरक्षण अपेक्षित है। संचालन सह कोषाध्यक्ष अतुल मिश्र ने किया तथा संस्था के सचिव नित्यानन्द पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सह सचिव रायसाहब शर्मा, गतिविधि संयोजक सेवा जनार्दन पाण्डेय, अतुल जायसवाल, अरविन्द गिरि, शम्भूनाथ यादव, नागेन्द्र प्रताप यादव, सरिता मिश्रा, डा. शैलेश सिंह, पवन सिंह, कमलेश सिंह, देवेन्द्र दूबे, आशीष सिंह, बृजेश मिश्र, सन्तोष विश्वकर्मा, अजय शुक्ला, अनन्त प्रकाश सिंह, रवि सिंह, चन्द्रकांत, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दुर्गेश सिंह, श्रीप्रकाश यादव, योगेश कुमार, शांत सिंह आदि उपस्थित रहे।

20 मई को बन्द रहेगी दवा की दुकानें

जौनपुर। केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने 20 मई को जिले की दवा दुकानें बंद रखने की घोषणा की है। यह निर्णय अखिल भारतीय संस्था एआईओसीडी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर लिया गया है। इस संबंध में एसोसिएशन ने जिलाधिकारी और औषधि निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट परिसर में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। दिवाकर सिंह ने बताया कि देशभर में 12 लाख से अधिक दवा व्यवसायी 20 मई को दुकानें बंद रखेंगे। उन्होंने कहा कि ड्रग एक्ट के अनुसार दवाओं की बिक्री केवल फार्मासिस्ट द्वारा की जानी चाहिए, जबकि ऑनलाइन कंपनियां नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। आरोप लगाया कि ऑनलाइन माध्यम से नारकोटिक्स, शेड्यूल एच1, हैबिट मेकिंग और नकली दवाओं की बिक्री हो रही है। साथ ही मोनोपोली दवाओं की सप्लाई और कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा भारी डिस्काउंट दिए जाने का भी विरोध किया गया।

डायरिया नियंत्रण व रोकथाम को आगे आएं निजी अस्पताल : डॉ. संजीव

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में जनपद में चलाये जा रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम से निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को भी जोड़ने की पहल की गयी है। इस सम्बन्ध में बृहस्पतिवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सभागार में पब्लिक प्राइवेट इंटरफेस (पीपीआई) की बैठक हुई, जिसमें निजी क्षेत्र के 21 अस्पतालों व नर्सिंग होम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी/जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने कहा कि डायरिया नियन्त्रण और रोकथाम में निजी अस्पताल और नर्सिंग होम बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने अपील की कि वह अपने-अपने अस्पतालों में ओआरएस कार्नर बनाने के साथ ही डायरिया के प्रति जागरूकता लाने में अहम भूमिका निभाएं।

इस मौके पर पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) की कोमल घई ने डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत पिछले तीन माह में आयोजित गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। पीएसआई इंडिया के अजय कुमार ने पिछले वर्ष डायरिया रोको अभियान के बारे में चर्चा की और निजी अस्पतालों व नर्सिंग होम के प्रतिनिधियों से अपील की कि इस साल भी वह अपने-अपने अस्पतालों में ओआरएस कॉर्नर बनाने के साथ ही अभियान को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग करें।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश ने कहा कि निजी अस्पताल और नर्सिंग होम शून्य से पांच वर्ष तक के डायरिया प्रभावित बच्चों का रिकार्ड अवश्य रखें, जिनको ओआरएस और जिंक इलाज के तहत दिया गया हो। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव डॉ. ललित वार्ष्णेय ने मंच संचालन के साथ ही चिकित्सकों से कहा कि डायरिया एक गंभीर बीमारी है, इसके कारण प्रतिवर्ष बहुत से बच्चे प्रभावित होते हैं, थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से इस बीमारी से बचाव संभव है। इसमें ओआरएस और जिंक बहुत महत्वपूर्ण घटक हैं, दस्त होते ही ओआरएस का घोल तुरंत शुरू कर देना चाहिए जिससे शरीर में होने वाली पानी की कमी को पूरा किया जा सके।

जिला नगरीय स्वास्थ्य समन्वयक फौज़िया खान ने निजी चिकित्सालयों द्वारा की जाने वाली हेल्थ मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल की रिपोर्टिंग के बारे में बात की और सभी से कहा कि प्रतिमाह ससमय पोर्टल पर अपने अस्पताल में दी जाने वाली सेवाओं की रिपोर्ट अवश्य करें। बैठक में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बी. एस. गोयल, डॉ. पवन अग्रवाल, डा. अंजू गुप्ता, डॉ. वर्तिका, डॉ. प्रीति लालवानी, डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. वी. के. अग्रवाल, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक पारुल शर्मा, जिला मातृ स्वास्थ्य सलाहकार मुकेश गौतम, जिला एचएमआईएस ऑपरेटर मोहम्मद रफीक, जेएसआई टीम, पीएसआई इंडिया के चोब सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आंधी और बारिश से भारी क्षति, 100 में बिजली ठप

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले में बुधवार को अचानक मौसम बदलने से जनजीवन प्रभावित हुआ। तेज आंधी और बारिश के कारण 100 से अधिक गांवों में पिछले 18 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप है। बिजली विभाग के अनुसार, अगले 10 घंटों में आपूर्ति बहाल होने की संभावना है। शाम 5 बजे आसमान में काले बादल छा गए और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। इस दौरान आई तेज आंधी और बारिश ने पूरे जिले, विशेषकर मछलीशहर तहसील और भदोही सीमा से सटे इलाकों में भारी तबाही मचाई। मछलीशहर-वाराणसी हाईवे सहित मोलनापुर से जंघई, गोधना-जरौना और बंधवा बाजार-भटहर मार्ग पर दर्जनों पेड़ गिरने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। मीरगंज, जरौना, बंधवा बाजार, गोधना और जंघई क्षेत्र में आधे घंटे तक चले बवंडर से कई घरों के टीन शेड उड़ गए। सवैया गांव में अशोक यादव के घर के पास एक पुराना नीम का पेड़ गिरने से उसके नीचे बंधा एक बछड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया। आंधी के कारण हाईटेंशन और एलटी लाइनों पर पेड़ों की डालियां गिरने से बिजली के खंभे उखड़ गए। सुजानगंज बाईपास पर भी पोल उखड़ने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई।जंघई और गोपालापुर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े 72 से अधिक गांवों में पूरी तरह अंधेरा छा गया है। बिजली निगम के एसडीओ आदित्य मारकंडे ने बताया कि आंधी से भारी नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त खंभों की संख्या का पता लगाया जा रहा है और काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने अगले 10 घंटों में आपूर्ति बहाल होने की संभावना जताई। मीरपुर गांव में 100 केवी का एक ट्रांसफार्मर पोल से गिरकर फट गया, हालांकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

रिश्ता तय हुआ राहुल से, दूल्हा बनकर आ गया देवेंद्र... मंडप पर 7 फेरे लेने से पहले ही दुल्हन ने तोड़ी शादी, अब कर रही ये डिमांड

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद कस्बे से एक सनसनीखेज वैवाहिक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। यहां रहने वाली अधिवक्ता युवती कुमारी प्रिया बाजपेयी ने मंडप में ही दूल्हे को पहचानने से इनकार कर शादी ठुकरा दी। युवती का आरोप है कि मोबाइल और व्हाट्सऐप पर जिस युवक से उसकी बातचीत होती थी, वो खुद को राहुल मिश्रा बताकर भोपाल में भारतीय सेना में तैनात होने का दावा करता रहा। लेकिन बारात लेकर पहुंचे युवक की पहचान पूरी तरह अलग निकली।

पीड़िता के अनुसार, बातचीत और रिश्ते की सहमति राहुल मिश्रा नाम के युवक से हुई थी। दोनों परिवारों के बीच वैवाहिक संबंध तय होने के बाद बीती रात बारात शाहाबाद पहुंची। लेकिन जयमाल और शादी की रस्मों से पहले युवती को दूल्हे पर

शक हुआ। पूछताछ में युवक ने अपना नाम देवेंद्र सिंह परिहार बताया। वहीं, बारात में शामिल अन्य लोग भी युवक की सही पहचान और पृष्ठभूमि को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं और लड़की पक्ष के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। युवती ने आशंका जताई कि यह कोई संगठित गिरोह हो सकता है जो युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर मानव तस्करी जैसी घटनाओं को अंजाम देता है। उसने मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे समेत कई संदिग्ध बारातियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पूरे घटनाक्रम के बाद शादी समारोह स्थल पर देर रात तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

किन लोगों को किया गया अरेस्ट?

इस मामले में पुलिस ने देवेन्द्र सिंह परमार, पुत्र कन्हैया जू परमार निवासी ग्राम गटेवरा थाना सिविल लाइन जनपद छतरपुर मध्य प्रदेश। मंगलदीन, पुत्र मुलुआ पटेल निवासी ग्राम गटेवरा थाना सिविल लाइन जनपद छतरपुर मध्य प्रदेश। रामौतार बाजपेई, पुत्र घनश्याम बाजपेई निवासी ग्राम गटेवरा थाना सिविल लाइन जनपद छतरपुर मध्य प्रदेश। मुकेश सेन, पुत्र आशाराम निवासी ग्राम गटेवरा थाना सिविल लाइन जनपद छतरपुर मध्य प्रदेश। शरीफ, पुत्र वहीद निवासी संकट मोचन पहाडिया नई ईदगाह के सामने सिविल लाइन मध्य प्रदेश और मुलायम यादव पुत्र प्रभुदयाल निवासी ग्राम लखरावन थाना सिटी कोतवाली छतरपुर मध्य प्रदेश को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है।

तीन महीने से फटी है पाइपलाइन, पानी बर्बाद

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। प्रदेश सरकार जहां एक-एक बूंद पानी बचाने के लिए श्जल शक्ति अभियानश चला रही है, वहीं केराकत नगर पंचायत की लापरवाही के चलते रोजाना हजारों लीटर शुद्ध पेयजल नालियों में बह रहा है। मामला नगर के शेखजादा मोहल्ले का है, जहां (गडही के पास) मुख्य पाइपलाइन पिछले तीन महीने से क्षतिग्रस्त है।

पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण घरों में लगे नलों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। लोगों को एक बाल्टी पानी भरने में भी काफी समय लग रहा है, जिससे मोहल्लेवासियों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि इस तरह से नगर वासियो के साथ 35 से 40 वर्षो में कभी पानी की समस्या नहीं आयी थी! हम नगर वासियो के दिल के अरमां आसूवों में बह गये! हम केराकत नगर वासी झूठे वादों में फंस गये! जो अब हम लोगों को पछतावा हो रहा है!

खैर मनमानी की भी एक सीमा होती है कुछ समय बीत गये कुछ ही समय शेष है! लोगों का कहना है कि पाइप फटने की जानकारी नगर पंचायत कर्मियों और मौजूदा चेयरमैन को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं कराई गई। नगर पंचायत की अनदेखी के चलते प्रतिदिन हजारों लीटर पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है।सड़क पर लगातार पानी जमा रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर अब फ्री राइड खत्म, रात 12 बजे से देना होगा इतना टोल, देखें किस प्वाइंट में कितना कटेगा पैसा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। यूपी के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे पर बिना किसी शुल्क के सफर करने का आनंद उठा रहे वाहन चालकों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। शासन द्वारा दी गई 15 दिनों की फ्री राइड की समय सीमा गुरुवार को समाप्त हो रही है। 14 मई की आधी रात से इस एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स वसूलने की प्रक्रिया विधिवत शुरू कर दी जाएगी। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल दरों की सूची भी चस्पा कर दी गई है। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां एंट्री के समय नहीं, बल्कि एग्जिट (निकास) के समय टोल वसूला जाएगा। यानी वाहन चालक

एक्सप्रेस-वे पर जितनी दूरी तय करेंगे, उन्हें केवल उतने का ही भुगतान करना होगा। वर्तमान में इस मार्ग से रोजाना 12 से 14 हजार वाहन गुजर रहे हैं, जहां रफ्तार की सीमा 120 किमी प्रति घंटा निर्धारित है।

MLFF तकनीक से लैस है सिस्टम

गंगा एक्सप्रेस-वे पर टोल वसूली के लिए अत्याधुनिक मल्टी लेन फ्री फ्लो (MLFF) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इस तकनीक के कारण वाहनों को एक्सप्रेस-वे में प्रवेश करते समय रुकने या लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। हाई-टेक कैमरे और सेंसर्स दौड़ते हुए वाहनों को स्कैन कर उनकी एंट्री दर्ज कर लेंगे। हालांकि, वर्तमान में निकास के समय टोल बूथ से गुजरना होगा, जिसे भविष्य में पूरी तरह 'फ्री फ्लो' करने की योजना है। यह सिस्टम पूरी तरह से फास्टटैग (FASTag) पर आधारित है।

कंपनियों के बीच टोल का बंटवारा

इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण दो बड़े समूहों ने किया है। मेरठ परिक्षेत्र से एक तिहाई हिस्से का निर्माण आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने किया है, जबकि शेष दो तिहाई हिस्सा अडानी ग्रुप द्वारा बनाया गया है। मेरठ के बिजौली से बदायूं तक के पहले सेक्टर की देखरेख आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर कर रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए टोल एक ही बार कटेगा, जो सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्वतः दोनों कंपनियों के खातों में उनकी हिस्सेदारी के अनुसार चला जाएगा

क्या होंगी संभावित टोल दरें?

यद्यपि आधिकारिक दरों में मामूली संशोधन की संभावना बनी हुई है, लेकिन प्रारंभिक निर्धारण के अनुसार कीमतें कुछ इस प्रकार हैं:

कार/जीपः 2.155 रुपये प्रति किलोमीटर। मेरठ से प्रयागराज तक का पूरा सफर पहले 1515 रुपये निर्धारित था, जिसे संशोधित कर 1800 रुपये तक किए जाने की संभावना है।

बस/ट्रकः 8.120 रुपये प्रति किलोमीटर। पूरे सफर का खर्च लगभग 5700 रुपये या उससे अधिक हो सकता है।

दोपहिया वाहनः गंगा एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम तोड़ने पर भारी जुर्माने का प्रावधान है।

मेरठ से प्रयागराज तक 12 टोल प्लाजा

मेरठ से बदायूं तक के 130 किमी लंबे पहले पैकेज में कुल सात टोल और रैंप प्लाजा बनाए गए हैं। वहीं, मेरठ से प्रयागराज के बीच कुल टोल प्लाजा की संख्या 12 है। इन सभी पॉइंट्स से एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने और उतरने की सुविधा दी गई है। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर के मुख्य महाप्रबंधक अनूप सिंह के अनुसार, यात्रियों को केवल तय की गई वास्तविक दूरी का ही भुगतान करना होगा।

टिप्पणी के विरोध भाजपा महिला मोर्चा का धरना

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी की कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जुटीं महिला कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सांसद के इस्तीफे और बिना शर्त माफी की मांग की। जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के विरुद्ध सार्वजनिक मंच से इस प्रकार की निम्नस्तरीय भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रतीक हैं और उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग सपा की हताशा और नकारात्मक राजनीतिक सोच

को दर्शाता है। क्षेत्रीय मंत्री अर्चना शुक्ला ने कहा कि सपा सांसद को देश और प्रधानमंत्री से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। जिला मंत्री अंशु कुशवाहा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उनकी पार्टी अपने सांसद की टिप्पणी का समर्थन करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि माफी न मिलने पर आंदोलन को तहसील और गांव स्तर तक ले जाया जाएगा। विमला श्रीवास्तव, किरन मिश्रा, प्रीति गुप्ता, राखी सिंह, वंदना सिंह, मिलन श्रीवास्तव, निशी सोनकर, सुशीला सिंह, पूनम प्रजापति, पूजा सिंह, शांति मौर्य, मीता यादव, आशा सुमन, सुभाना मौर्य, लीलावती गुप्ता, विमला बिंद, विमला मौर्य, रूपा अग्रहरि, प्रीति शुक्ला, संगीता मिश्रा, सुशीला विश्वकर्मा, विमला देवी, चंद्रकला कुशवाहा, मुन्नी देवी, दुलारी, गायत्री देवी और सुमन देवी आदि उपस्थित रहीं।

चाय के शौकीन हैं? इन 5 गलतियों से बचें, स्वास्थ्य पर पड़ सकता है बुरा असर

चाय का स्वाद और उसके फायदे सभी को भाते हैं। लेकिन, चाय पीने का तरीका और समय इसका असर बदल सकता है। कई लोग बिना सोचे-समझे चाय का सेवन करते हैं, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आइए आज हम आपको चाय पीने से जुड़ी कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

खाली पेट चाय न पिएं

खाली पेट चाय पीना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में करते हैं। इससे पेट में जलन, गैस और खट्टी डकार जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खाली पेट चाय पीने से शरीर में खट्टापन बढ़ जाता है, जो पाचन पर असर डालता है। इसके अलावा यह आपके ऊर्जा स्तर को भी कम कर सकता है। इसलिए हमेशा नाश्ता करने के बाद ही चाय का सेवन करें ताकि पेट में स्थिरता बनी रहे।

चीनी का अधिक सेवन न करें

चाय में चीनी मिलाना आम बात है, लेकिन इसका अधिक सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ज्यादा चीनी मिलाने से वजन बढ़ सकता है, दांतों में सड़न हो सकती है और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा मीठी चाय पीने से शरीर में सूजन भी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि चाय में कम से कम चीनी मिलाई जाए या फिर चीनी के विकल्प जैसे शहद या गुड़ का इस्तेमाल करें।

दूध वाली चाय का सेवन सीमित रखें

दूध वाली चाय का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा दूध वाली चाय पीने से शरीर में चर्बी की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है। इसके अलावा इससे पाचन पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए दिन में एक या दो कप ही दूध वाली चाय का सेवन करें और बाकी समय हर्बल या बिना दूध वाली चाय पिएं।

देर रात चाय न पिएं

देर रात चाय पीने से नींद पर बुरा असर पड़ता है। कैफीन युक्त चाय पीने से नींद जल्दी नहीं आती और अगर आती भी है तो बार-बार टूट जाती है। इससे अगली सुबह थकान महसूस होती है और दिनचर्या प्रभावित होती है। इसके अलावा देर रात चाय पीने से पाचन पर भी असर होता है, जिससे नींद की समस्या बढ़ सकती है। बेहतर होगा कि रात का खाना खाने के बाद कम से कम 2 घंटे तक चाय न पिएं।

चाय बनाने का तरीका सही रखें

चाय बनाते समय पानी को ज्यादा देर तक न उबालें और न ही उसमें ज्यादा देर तक चायपत्ती छोड़ें। इससे न केवल उसका स्वाद बिगड़ जाता है, बल्कि उसमें मौजूद पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। बेहतर होगा कि आप चाय को हल्का ही उबालें और उसमें चायपत्ती को ज्यादा देर तक न छोड़ें। इससे आपकी चाय स्वादिष्ट बनेगी और उसमें मौजूद पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे।

घर पर फल का जूस बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, फायदे होंगे ज्यादा

आजकल बाजार में मिलने वाले फलों के जूस में अप्राकृतिक रंग और स्वाद मिलाने के साथ-साथ शक्कर भी मिलाई जाती है, जिससे उनकी पौष्टिकता कम हो जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप घर पर ही ताजे और मौसमी फलों से जूस बनाएं क्योंकि इससे आपको कई पोषक तत्व मिलेंगे। हालांकि, जूस बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि फल का जूस बनाते समय क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए।

ताजे और मौसमी फल चुनें

फल का जूस बनाने के लिए हमेशा ताजे और मौसमी फलों का ही चयन करें। इससे न केवल आपको भरपूर पोषण मिलेगा, बल्कि जूस की ताजगी और स्वाद भी बेहतरीन रहेगा। इसके अतिरिक्त मौसमी फल अधिक सस्ते भी होते हैं। इसके साथ ही जूस बनाते समय फल को काटने से पहले उसे अच्छे से धो लें ताकि उस पर लगे कीटाणु और कीटनाशक आदि दूर हो जाएं। इस प्रकार जूस बनाने के लिए सही फलों का चयन करें।

मौसम के अनुसार चुनें फल का जूस

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं तो उनके लिए जूस बनाते समय मौसम के अनुसार ही फल चुनें। उदाहरण के लिए गर्मियों में तरबूज, खरबूज और आम का जूस बनाना अच्छा है, जबकि बारिश के मौसम में संतरे, लीची, अनार और अंगूर आदि का जूस बनाना बेहतर है, वहीं सर्दियों में अनार, संतरा, अंगूर और सेब आदि का जूस बनाएं। इससे बच्चों को ताजगी और ऊर्जा मिलेगी, साथ ही वे बीमारियों से भी दूर रहेंगे।

चीनी का प्रयोग न करें

फल अपने आप में मीठे होते हैं और फल का जूस बनाते समय आपको चीनी का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, फल का जूस बनाने के लिए लोग अक्सर शक्कर डालते हैं, लेकिन इससे जूस की पौष्टिकता कम हो जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप चीनी की बजाय फल की मिठास पर ध्यान दें। अगर आपको फल का जूस थोड़ा फीका लगता है तो उसमें थोड़ा शहद मिलाएं।

जूस बनाते समय पानी का इस्तेमाल है गलत

अगर आप फल का जूस बनाने के लिए फल को जूसर में डालते समय पानी डालते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है। इससे जूस की पौष्टिकता कम हो जाती है। इसलिए आप चाहें तो फल को जूसर में डालकर उसे मिक्सर ग्राइंडर कर सकते हैं। इससे आपके जूस में किसी भी तरह का पोषक तत्व कम नहीं होगा। हालांकि, अगर आप मिक्सर ग्राइंडर का इस्तेमाल करते हैं तो उसमें पानी की जगह बर्फ डालें।

जूस बनाने के बाद इसे स्टोर करने की गलती न करें

अगर आप फल का जूस बनाकर उसे कुछ घंटों बाद पीते हैं तो ऐसा करने से बचें क्योंकि इससे जूस के पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। दरअसल, जूस बनाने के बाद कुछ मिनट तक ही उसका सेवन करना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो जूस को एयरटाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं। इससे जूस का स्वाद और उसकी पौष्टिकता बरकरार रहेगी।

हर समय थकान, गुस्सा और बेचैनी? ज्यादा तनाव के हो सकते हैं ये संकेत

आजकल हर कोई अपनी प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ को लेकर चिंता में है, जो धीरे-धीरे स्ट्रेस बन जाता है। कुछ लोगों को तो पता ही नहीं होता है कि धीरे-धीरे स्ट्रेस बढ़ रहा है। इस आर्टिकल में हम आपको हाई स्ट्रेस के कुछ संकेत बताने जा रहे हैं।

आजकल की बिजी और भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव ने अमूमन लोगों के घेर लिया है। काम का दबाव, करियर की टेंशन और परिवार की जिम्मेदारी के बीज स्ट्रेस एक आम समस्या बन गया है। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर इंसान मानसिक रूप से काफी ज्यादा थकता जा रहा है, जो धीरे-धीरे स्ट्रेस को और भी ज्यादा बढ़ा देता है। स्ट्रेस होने पर सिर्फ मेंटल हेल्थ ही प्रभावित नहीं होती है। बल्कि पूरे शरीर पर इसका असर देखने को मिलता है। हर समय थकान महसूस होना, छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना, मन में बेचैनी रहना, नींद पूरी न होना और किसी काम में मन न लगना ऐसे संकेत हैं, जो बताते हैं कि आपका शरीर और दिमाग लगातार दबाव में है।

ज्यादा तनाव धीरे-धीरे इंसान की मानसिक और शारीरिक सेहत को कमजोर करने लगता है। इसका असर दिल की धड़कन, पाचन तंत्र, नींद और इम्यून सिस्टम तक पर पड़ सकता है। कई लोग लंबे समय तक तनाव में रहने के बावजूद यह नहीं समझ नहीं पाते कि उनके व्यवहार और स्वास्थ्य में आ रहे बदलाव की असली वजह क्या है। इस आर्टिकल में हम आपको वो बहुत ज्यादा स्ट्रेस के लक्षण के बारें में बताने जा रहे हैं। ताकि आप समय रहते इसे कंट्रोल कर सकें।

सिरदर्द होना है संकेत

हेल्थलाइन की रिपोर्ट में बहुत स्ट्रेस के कुछ संकेतों के बारे में बताया गया है, जिसमें सिरदर्द भी शामिल है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर आपको बहुत ज्यादा स्ट्रेस रहता है तो दिमाग की नसों और मांसपेशियों में खिंचाव भी बढ़ता है। जिससे बार-बार सिरदर्द या भारीपन महसूस हो सकता है। यहां तक की कई लोगों को माइग्रेन जैसी समस्या भी होने लगती है।

कम एनर्जी महसूस होना

बहुत ज्यादा स्ट्रेस होने पर शरीर में एनर्जी की भी कमी महसूस होने लगती है। भले ही आप ज्यादा काम न करें लेकिन शरीर हमेशा थका-थका, कमजोर और सुस्त फील करता है।

नींद न आना या बेचैनी होना

जब आपको स्ट्रेस होता है तो आपका दिमाग लगातार एक्विट रहता है। भले ही आप जितनी भी सोने की कोशिश करें दिमाग शांत नहीं हो पाता है। इससे नींद की क्वालिटी भी खराब होती है और आप गहरी नींद में नहीं जा पाते। ऐसे में सुबह उठने पर फ्रेश भी फील नहीं होता है।

दिल की धड़कन में बदलाव

तनाव की स्थिति में शरीर "फाइट या फ्लाइट" मोड में चला जाता है, जिससे दिल तेज धड़क सकता है या धड़कन अचानक बढ़ती-घटती महसूस हो सकती है।

ज्यादा पसीना आना

बहुत ज्यादा पसीना आना भी ज्यादा स्ट्रेस का एक संकेत है। दरअसल, इस स्थिति में शरीर में एड्रेनालिन हार्मोन बढ़ाने लगता है। इसकी वजह से बिना ज्यादा मेहनत के भी हथेलियों, पैरों या पूरे शरीर में ज्यादा पसीना आ सकता है।

मुंहासे होना भी है संकेत

आपको जानकर हैरानी होगी। लेकिन हेल्थलाइन के मुताबिक स्ट्रेस होने पर स्किन पर भी असर पड़ता है। दरअसल स्ट्रेस हार्मोन स्किन में ऑयल के प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं, जिसकी वजह से चेहरे पर पिंपल्स और मुंहासे निकलने लगते हैं।

पाचन संबंधी समस्याएं

बहुत ज्यादा तनाव पेट पर सीधा असर डालता है। गैस, कब्ज, एसिडिटी, पेट दर्द या भूख कम-ज्यादा होने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वही शरीर में कई जगह दर्द भी रहने लगता है।

वजन बढ़ना या भूख में बदलाव

कुछ लोग तनाव में ज्यादा खाना शुरू कर देते हैं, जबकि कुछ की भूख कम हो जाती है। इससे वजन बढ़ या घट सकता है। इसके अलावा लगातार स्ट्रेस इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है। इसलिए सर्दी-जुकाम, थकान या छोटी-छोटी बीमारियां बार-बार होने लगती हैं।

कैलोरी बर्न से दिन भर एनर्जी... जिम में पसीना बहाने के बजाय अपनाएं ये 'स्मार्ट' वर्कआउट टिप्स

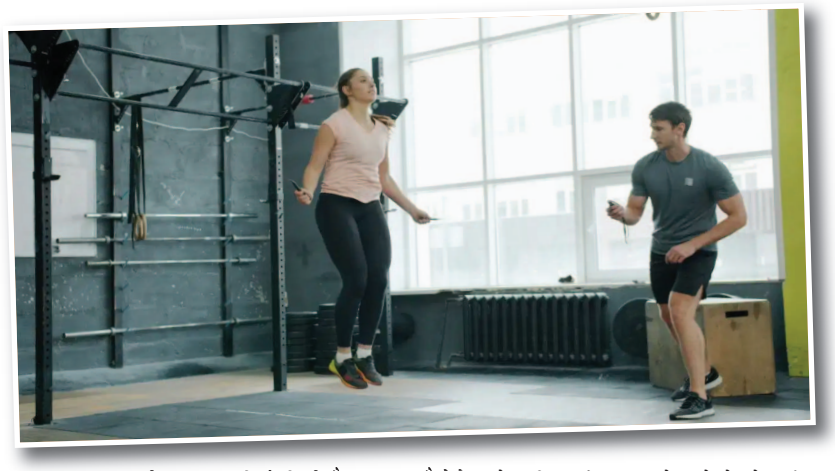

आज की लाइफ न सिर्फ बिजी है बल्कि तेजी से दौड़ भी रही है। ऐसी लाइफ और इस बीच बिगड़ा हुआ लाइफस्टाइल हमें छोटी उम्र में ही बीमारियों का शिकार बना रहा है। इसलिए सलाह दी जाती है कि अच्छी डाइट और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसे स्मार्ट वर्कआउट टिप्स हैं जिन्हें फॉलो करके कैलोरी तेजी से बर्न की जा सकती है। बताया जाता है कि नॉर्मल इंसान को दिनभर में 2000 कैलोरी लेनी चाहिए। लेकिन टेस्टी फूड्स और आलस की वजह से लोग हाई कैलोरी इंटेक के रूटीन को फॉलो कर रहे हैं।

एक्सपर्ट्स कहते हैं कि आपको न सिर्फ कैलोरी इंटेक पर फोकस करना है बल्कि ये भी देखना है कि आप इसे कैसे बर्न कर सकते हैं। रोजाना सैर, अच्छी डाइट के अलावा कुछ वर्कआउट्स को करके भी कैलोरी बर्न की जा सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही कैलोरी बर्न वर्कआउट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जानें इनके बारे में...

वजन घटाने के लिए कैलोरी बर्न करनी चाहिए। लेकिन इसके लिए देर तक ट्रेडमिल पर पसीना बहाना अब स्लो और लॉन्ग स्ट्रेटेजी है। आप आसान और स्मार्ट तरीकों को अपनाकर तेजी से फैट बर्न कर सकते हैं। इस तरह बॉडी में पूरे दिन एनर्जी भी बनी रहती है। हाई कैलोरी के रूटीन की वजह से वजन बढ़ना, हार्ट की बीमारियों का खतरा, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर की प्रॉब्लम का होना आजकल कॉमन है। इसके अलावा थकान, पाचन से जुड़ी समस्याएं और ज्वाइंट्स पर प्रेशर जैसी दिक्कतें भी होने लगती हैं। जानें आप कैसे स्मार्ट तरीके से तेजी से कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग ऐसे वर्कआउट की तलाश में रहते हैं जो तेजी से कैलोरी बर्न करने के साथ पूरे दिन शरीर को एनर्जेटिक भी बनाए रखें। फिटनेस एक्सपर्ट्स के मुताबिक कुछ खास एक्सरसाइज न सिर्फ वजन घटाने में मदद करती हैं, बल्कि मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर शरीर को लंबे समय तक एक्टिव भी रखती हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 बेहतरीन वर्कआउट्स के बारे में जो हाई कैलोरी बर्न करने में मददगार माने जाते हैं।

फंक्शनल HIIT (हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग)

एक्सपर्ट कहते हैं कि ये एक्सरसाइज का एक मॉडर्न टाइप है जिसे अगर रोजाना किया जाए तो हार्ट रेट बढ़ता है। इसका फायदा है कि इस वर्कआउट को करने के बाद भी बॉडी कैलोरी बर्न के मूड में रहती है। इससे आप दिन की 500 से 700 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं और मेटाबॉलिज्म भी एक्टिव रहता है। इससे पूरी बॉडी को ताकत मिलती है और स्टेमिना भी बूस्ट होता है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

इसे लंबे समय तक कैलोरी बर्न करने का बेहतरीन तरीका माना जाता है। इसे रोजाना करें तो शरीर में लीन मसल्स बनती हैं। मसल्स को मजबूत बनाने के अलावा इससे पोस्चर में सुधर और बॉडी बैलेंस जैसे बेनिफिट्स मिलते हैं। साथ ही शरीर में पूरे दिन स्थिर ऊर्जा बनी रहती है।

बॉक्सिंग भी है एक बढ़िया तरीका

आप चाहे तो बॉक्सिंग करके भी बॉडी को नेचुरली मजबूत बना सकते हैं। हर पंच, किक और मूवमेंट से बॉडी की मांसपेशियां एक्टिव हो पाती है। इसे आप सही तरीके और रेगुलर करते हैं तो 600 से 800 कैलोरी बर्न हो सकती है। इससे एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है जिससे एनर्जेटिक रहने में हेल्प मिलती है।

फिजिकल एक्टिविटी कार्डियो

ट्रेडमिल रनिंग, साइकलिंग या दूसरी कार्डियो एक्सरसाइज हमारे हार्ट रेट को नॉर्मल रखने में हेल्पफुल हैं। कार्डियो को रोजाना करें तो इससे शरीर ज्यादा कैलोरी खर्च करता है और स्टैमिना मजबूत होता है। इस फिजिकल एक्टिविटी से दिल और फेफड़े मजबूत होते हैं, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है।

कमाल की है ये सरकारी स्कीम, छोटे निवेश से ऐसे बना जाएगा 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

PPF में नियमित निवेश कर लंबी अवधि में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड बनाया जा सकता है। टैक्स-फ्री रिटर्न और कंपाउंडिंग का फायदा इसे सुरक्षित निवेश का मजबूत विकल्प बनाता है।

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना हर नौकरीपेशा व्यक्ति का सपना होता है। अगर आप सुरक्षित और टैक्स-फ्री निवेश का विकल्प तलाश रहे हैं, तो पीएफ और PPF आपके लिए बेहतरीन साधन बन सकते हैं। नियमित निवेश और कंपाउंडिंग की ताकत से आप लंबे समय में करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसमें बाजार का जोखिम भी बेहद कम होता है। सही प्लानिंग के साथ 25 साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड बनाना संभव है।

अगर कोई व्यक्ति कम उम्र में निवेश शुरू कर दे और हर साल नियमित रूप से निवेश जारी रखे, तो कंपाउंडिंग की ताकत उसे करोड़पति बना सकती है। PPF में फिलहाल 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। यह ब्याज सरकार तय करती है और हर तिमाही इसकी समीक्षा होती है। अगर कोई निवेशक हर वित्त वर्ष में PPF खाते में अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा करता है और यह निवेश लगातार 25 साल तक जारी रखता है, तो मौजूदा ब्याज दर के हिसाब से उसका फंड करीब 1.03 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसमें लगभग 65 लाख रुपये सिर्फ ब्याज से मिलने वाली कमाई होगी। अगर निवेशक हर साल 5 अप्रैल तक पूरी रकम जमा कर देता है, तो उसे पूरे साल का ब्याज लाभ मिलता है। यही वजह है कि समय पर निवेश करना बेहद जरूरी माना जाता है।

PPF की मेच्योरिटी

PPF की मेच्योरिटी अवधि 15 साल होती है। हालांकि इसके बाद खाते को 5-5 साल के ब्लॉक में आगे बढ़ाया जा सकता है। निवेशक चाहे तो आगे भी निवेश जारी रख सकता है या केवल जमा रकम पर ब्याज का फायदा ले सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम और ब्याज दोनों पूरी तरह टैक्स-फ्री होते हैं।

रिटायरमेंट के बाद यह फंड नियमित आय का जरिया भी बन सकता है। अगर 1.03 करोड़ रुपये के फंड पर 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है, तो सालाना करीब 7.3 लाख रुपये की कमाई हो सकती है। यानी हर महीने लगभग 61 हजार रुपये की इनकम सिर्फ ब्याज से मिल सकती है। हालांकि भविष्य में ब्याज दरों में बदलाव होने पर यह आय घट या बढ़ सकती है।

ये लोग कर सकते हैं निवेश

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स का कहना है कि PPF उन लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो सुरक्षित निवेश चाहते हैं। इसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम नहीं होता। साथ ही EEE यानी Exempt-Exempt-Exempt टैक्स व्यवस्था का लाभ मिलता है। इसका मतलब निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी तीनों टैक्स-फ्री रहते हैं। कुछ एक्सपर्ट का यह भी मानना है कि केवल PPF के भरोसे रिटायरमेंट प्लानिंग करना सही रणनीति नहीं होगी। महंगाई लंबे समय में निवेश की वास्तविक वैल्यू को कम कर सकती है। इसलिए निवेशकों को इक्विटी, म्यूचुअल फंड और दूसरे एसेट क्लास में भी निवेश करना चाहिए।

सरकार का एक फैसला और झटके में सोना 11000 रुपये महंगा, चांदी भी ? 3 लाख पार

सोना और चांदी की कीमतों में बुधवार को बड़ा उछाल देखने को मिला। केंद्र सरकार द्वारा कीमती धातुओं पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के फैसले के बाद मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दोनों धातुओं के भाव में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोना 11 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक महंगा हो गया, जबकि चांदी की कीमत 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई।

सरकार ने सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं पर इंपोर्ट ड्यूटी को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। इस फैसले का सीधा असर कमोडिटी बाजार में देखने को मिला।

एमसीएक्स पर 24 कैरेट सोना मंगलवार को 1,53,442 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को कारोबार शुरू होते ही इसका भाव बढ़कर 1,64,497 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। इस तरह सोने की कीमत में करीब 11,055 रुपये यानी लगभग 7 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

वहीं, चांदी की कीमतों में भी जोरदार उछाल आया। चांदी मंगलवार को 2,79,062 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, लेकिन बुधवार को बाजार खुलते ही इसका भाव बढ़कर 3,01,429 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया। यानी चांदी एक झटके में 22,367 रुपये महंगी हो गई।

हालांकि, मौजूदा भाव अब भी अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे हैं। सोने का लाइफटाइम हाई 2,02,984 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा है, जिससे मौजूदा कीमत करीब 38,487 रुपये कम है। वहीं चांदी का रिकॉर्ड हाई 4,57,328 रुपये प्रति किलोग्राम है और मौजूदा भाव इससे करीब 1,55,899 रुपये नीचे है।

सरकार ने गोल्ड इंपोर्ट ड्यूटी में बड़ा बदलाव करते हुए बेसिक कस्टम ड्यूटी को 5 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया है। इसके अलावा एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस को 1 फीसदी से बढ़ाकर 5 फीसदी किया गया है। कुल मिलाकर सोने पर लगने वाली ड्यूटी अब 15 फीसदी हो गई है। गौरतलब है कि 2024 के बजट में सरकार ने गोल्ड इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती की थी, जिसे अब फिर से बढ़ा दिया गया है।

प्रधानमंत्री हृडुहम्द्गठुस्त्रहम्डु रूशस्त्रद्ध ने हाल ही में एक जनसभा के दौरान लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की थी। उन्होंने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और विदेशी मुद्रा पर बढ़ते दबाव का हवाला देते हुए कहा था कि देश को फिलहाल सोने के आयात पर निर्भरता कम करनी चाहिए, चाहे शादी हो या कोई अन्य आयोजन।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत में सोने का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात किया जाता है और इसका भुगतान डॉलर में होता है। ऐसे में अधिक आयात से विदेशी मुद्रा भंडार और ट्रेड डेफिसिट पर दबाव बढ़ता है। सरकार का मानना है कि इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने से सोने का आयात कम होगा और विदेशी मुद्रा की बचत में मदद मिलेगी।

जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच एयर इंडिया का बड़ा ऐलान, जून से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व संकट के कारण जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयर इंडिया ने जून की शुरुआत से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित करने का फैसला किया है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि दिल्ली से जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कमी की गई है उनमें शिकागो और नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई जैसे प्रमुख गंतव्य शामिल हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया ने सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो जैसे गंतव्यों के लिए भी उड़ानें कम कर दी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुल मिलाकर एयरलाइन ने प्रतिदिन करीब 100 उड़ानों को कम कर दिया है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने पिछले सप्ताह कहा था कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में कटौती जारी रखेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बढ़ते वित्तीय दबाव और परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए, एयर इंडिया ने अपने आंतरिक अनुपालन और लागत नियंत्रण उपायों को और कड़ा कर दिया है। एयरलाइन ने पिछले तीन वर्षों में नैतिक कदाचार और नीतिगत उल्लंघनों के लिए 1,000 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। यह खुलासा विल्सन ने पिछले सप्ताह कर्मचारियों के साथ एक टाउन हॉल बैठक के दौरान किया। विल्सन ने कर्मचारियों को बताया कि एयरलाइन ने कई उल्लंघनों में शामिल कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनमें एम्प्लॉई लीजर ट्रैवल (ईएलटी) सिस्टम का दुरुपयोग, विमान से सामान की तस्करी और उचित शुल्क के बिना अतिरिक्त सामान ले जाने की अनुमति देना शामिल है। एयरलाइन की यह सख्त कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है जब वह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। एयर इंडिया समूह, जिसमें एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं, को मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 22,000 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा होने का अनुमान है। टाटा समूह के तहत व्यापक पुनर्गठन और सुधार प्रयासों के तहत, एयरलाइन ने पहले ही कई लागत-बचत उपाय शुरू कर दिए हैं। "

हम मिलकर दुनिया में बदलाव करेंगे... ट्रंप के साथ मीटिंग में बोले जिनपिंग, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या कहा?

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के दौरे पर हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि हमारी आपस में खूब बनती है। जब भी कोई मुश्किलें आईं, हमने मिलकर उन्हें सुलझाया। हम मिलकर शानदार भविष्य बनाने जा रहे हैं। वहीं जिनपिंग ने कहा कि हमारी इस बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है। हम मिलकर दुनिया में बदलाव करेंगे। इससे पहले ट्रंप को बीजिंग में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

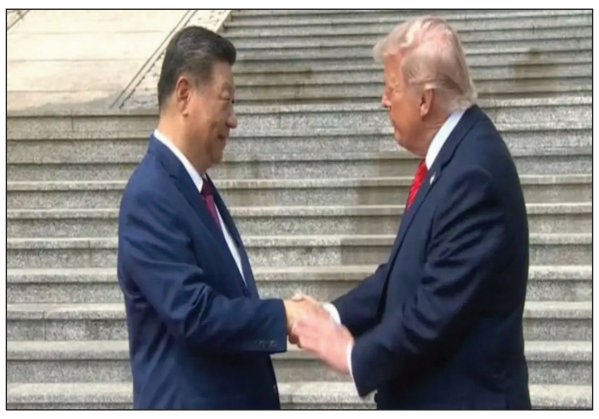

दौरे के दूसरे दिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों की दोस्ती में खास गर्मजोशी दिखी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "आप और मैं अब एक-दूसरे को काफी लंबे समय से जानते हैं। सच्चाई यही है कि हमारे दोनों देशों के बीच यह अब तक का सबसे लंबा रिश्ता है जो किसी भी 2 राष्ट्रपतियों के बीच रहा है। और मेरे लिए, यह बड़े सम्मान की बात है।"

हम मिलकर शानदार भविष्य बनाने जा रहे : ट्रंप

ट्रंप ने आगे कहा, "हमारे आपसी रिश्ते बहुत शानदार रहे हैं। हमारी आपस में खूब बनती है। जब भी कोई मसला आया, हमने मिलकर उन्हें सुलझाया। मैं आपको फोन करता था, और आप मुझे फोन करते थे। जब भी हमारे सामने कोई समस्या आई, हमने उसे तत्काल सुलझाया भी, और हम मिलकर एक शानदार भविष्य बनाने जा रहे हैं।" राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग को लेकर कहा, "चीन और अमेरिका के बीच रिश्ते पहले से कहीं ज्यादा बेहतर होने वाले हैं। हमारा भविष्य एक साथ बहुत शानदार होगा। मेरे मन में चीन को लेकर बहुत ज्यादा इज्जत है, और उस काम के लिए भी जो आपने किया है।"

आप महान नेता, यही बात सबसे कहता हूं : ट्रंप

जिनपिंग की तारीफ करते हुए ट्रंप ने कहा, "आप एक महान नेता हैं। मैं यही बात सबसे कहता हूं। कभी-कभी लोगों को मेरा ऐसा कहना पसंद नहीं आता, लेकिन फिर भी मैं यह कहता हूं।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे साथ जो महान प्रतिनिधिमंडल आया है, उनकी तरफ से- हमारे साथ दुनिया के सबसे बड़े, सबसे बेहतरीन और, मेरा मानना है, सबसे अच्छे बिजनेसमैन आए हैं। मुझे कंपनी में दूसरे या तीसरे नंबर के लोग नहीं चाहिए थे। मुझे सिर्फ सबसे ऊपर वाले लोग चाहिए थे। वे आज यहां आपको और चीन को सम्मान देने आए हैं। वे व्यापार और बिजनेस करने को लेकर उत्साहित हैं, और हमारी ओर से यह पूरी तरह से आपसी होगा। यह एक बहुत बड़ी बातचीत है। जो लोग कहते हैं कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन है, उन्हें पहले कभी ऐसा कुछ याद नहीं आता।"

मतभेद की तुलना में साझा हित अहम : जिनपिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति की चीन यात्रा को लेकर मेजबान राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा, "9 साल बाद चीन में आपका फिर से स्वागत है। पूरी दुनिया की नजर हमारी इस बैठक पर लगी हुई है। इस समय, पूरी दुनिया में एक ऐसा बदलाव तेजी से आ रहा है जो पिछली एक सदी में नहीं देखा गया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिति भी अस्थिर और उथल-पुथल भरी रही है।" उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच पहले की तुलना में बेहतर रिश्ते बनने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, "दुनिया आज एक नए मोड़ पर आ खड़ी हुई है। क्या चीन और अमेरिका 'थ्यूसीडाइड्स ट्रैप' (Thucydides trap) से पार पाकर बड़े देशों के आपसी संबंधों का एक नया प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं?"

हम प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार : जिनपिंग

जिनपिंग ने कहा, "क्या हम मिलकर वैश्विक बदलावों का सामना कर सकते हैं? हम आपसी प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार हैं। हम कई अहम मसलों पर चर्चा करेंगे। हमें एक-दूसरे को सफल होने में मदद करनी चाहिए। मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों की तुलना में साझा हित कहीं अधिक हैं। एक की कामयाबी दूसरे के लिए एक अवसर होती है, और एक स्थिर द्विपक्षीय संबंध पूरी दुनिया के लिए हितकर होता है।"

अमेरिका के साथ दोस्ती का जिक्र करते हुए चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा, "चीन और अमेरिका, दोनों को ही आपसी सहयोग से लाभ होगा, जबकि टकराव से दोनों को ही नुकसान उठाना पड़ेगा।" उन्होंने आगे कहा कि हमें आपसी प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में होना चाहिए। हमें एक-दूसरे को सफल होने में मदद करनी चाहिए, मिलकर समृद्ध होना चाहिए, और नए दौर में बड़े देशों के आपस में तालमेल बिठाने का सही रास्ता खोजना चाहिए।"

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी।

आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन-अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

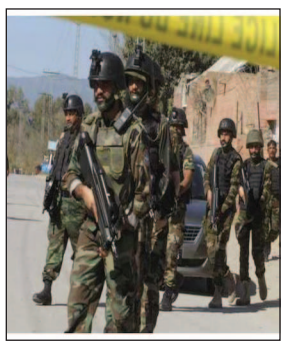

सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है

कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया। इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है।

पाकिस्तानी सैनिकों का बलूचिस्तान में बड़ा अभियान

बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) को जिम्मेदार ठहराती रही है।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर मारा : बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), अमेरिका। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया।

जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा।

जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी।

कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था। एरिक रिचिन्स के पिता यूजीन रिचिन्स ने जज से अपील की कि कोरी को बिना पैरोल उम्रकैद की सजा दी जाए, ताकि उनके पोतों की सुरक्षा हो सके। जब एरिक की मौत हुई थी, तब उनके तीनों बेटे 9, 7 और 5 साल के थे। उन्होंने अदालत में कहा, यह सजा जरूरी है ताकि एरिक के तीनों बेटे कभी इस डर में न जिएं कि उनके पिता की जान लेने वाली महिला फिर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। यह मामला साल 2023 में काफी चर्चा में आया था। कोरी रिचिन्स को उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपने बच्चों के लिए लिखी उस किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक लड़के के अपने पिता की मौत के दुख से उबरने की कहानी थी। बेटों ने कहा- हमें अपनी मां से डर लगता है। कोरी की भाभी केटी रिचिन्स बेंसन ने कहा कि ये बच्चे किसी किताब की कहानी का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जिंदगी कोरी की वजह से ऐसे ही दर्द और दुख में बदल गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत में बच्चों के लिखे पत्र पढ़कर सुनाए। तीनों बेटों ने कहा कि अगर उनकी मां जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। जब बच्चे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब उनकी मां उन्हें डराने के लिए युद्ध से प्रभावित इलाकों में भूखे बच्चों के वीडियो दिखाती थी। अब 11 साल के हो चुके बीच वाले बेटे ने कहा, आपने सिर्फ लालच की वजह से मेरे पापा को हमसे छीन लिया और आपको सिर्फ अपने बारे में और अपने बेकार बॉयफ्रेंड की चिंता थी।

वकील के अवतार में दिखीं ममता बनर्जी: कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचीं पूर्व सीएम, चुनाव के बाद हिंसा मामले पर सुनवाई

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी गुरुवार को कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचीं, जहां उन्होंने वकील की पोशाक पहनकर मुख्य न्यायाधीश एचसी सुजॉय पाल के सामने पेशी दी। यह मामला राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका (पीआईएल) से संबंधित है, जिसकी सुनवाई हाई कोर्ट में चल रही है।

ममता बनर्जी के अदालत पहुंचने से राजनीतिक और कानूनी हलकों में हलचल तेज हो गई। अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ममता बनर्जी ने वकीलों की तरह काला कोट और सफेद बैंड पहनकर कोर्ट में एंट्री की, जिसने सबका ध्यान खींचा।

कल्याण बनर्जी के बेटे ने दायर की है याचिका

यह जनहित याचिका शिर्षण्या बंदोपाध्याय ने दायर की है, जो टीएमसी नेता और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी के बेटे हैं। याचिका में चुनाव के बाद हुई हिंसा और उससे जुड़े मामलों की जांच तथा कानूनी प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं।

चुनाव बाद हिंसा के आरोपों पर राज्य में राजनीति गर्म

सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी कोर्ट में मामले की सुनवाई और जांच प्रक्रिया के कई पहलुओं पर सवाल उठा सकती हैं। माना जा रहा है कि वह यह जानने की कोशिश करेंगी कि मामले की जांच किस आधार पर आगे बढ़ रही है और किन तथ्यों को ध्यान में रखा गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई पहले से ही काफी चर्चाओं में रही है, क्योंकि चुनाव बाद हिंसा के आरोपों को लेकर राज्य की राजनीति लंबे समय से गरमाई हुई है। विपक्ष लगातार टीएमसी सरकार पर निशाना साधता रहा है, जबकि टीएमसी इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताती रही है।

केरल में भारी मात्रा में विस्फोटक और डेटोनेटर बरामदगी का मामला, एनआईए ने संभाली जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने केरल के मलप्पुरम जिले के तिरुरंगडी में बड़ी मात्रा में जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर बरामद होने के मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। NIA ने पिछले महीने इस मामले की जांच शुरू की थी और हाल ही में परप्पनंगडी की न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत से केस रिकॉर्ड को कोच्चि स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की है।

यह मामला 7 फरवरी 2026 का है, जब तिरुरंगडी के पास चेम्माड इलाके में प्याज से लदे एक ट्रक से 89,600 जिलेटिन छड़ें और 10,500 नॉन-इलेक्ट्रिक शॉक ट्यूब डेटोनेटर बरामद हुए थे। विस्फोटकों को 448 बक्सों में छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक ईंट निर्माण इकाई पर छापा मारा, जहां प्याज से भरा ट्रक खड़ा

था। जांच के दौरान ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। तिरुरंगडी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि मामला अब केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

एक अधिकारी ने बताया, 'हमने इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया था। शुरुआती जांच में पता चला कि विस्फोटकों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए किया जाना था, लेकिन भारी मात्रा में बरामदगी को देखते हुए एनआईए ने विस्तृत जांच का फैसला किया।' पुलिस जांच में पता चला कि विस्फोटक सामग्री कर्नाटक के बीजापुर से लाई गई थी।

एनआईए जल्द करेगी आरोपियों से पूछताछ

मामला विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 (जीवन या संपत्ति को खतरे में डालने की मंशा से विस्फोटक रखने) और धारा 5 (संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोटक रखने) के तहत दर्ज किया गया है। NIA जल्द ही कोच्चि की विशेष अदालत में आवेदन देकर आरोपियों से पूछताछ करेगी। साथ ही विस्फोटकों की सप्लाई चेन और स्रोत की भी गहन जांच की जाएगी। गौरतलब है कि तिरुरंगडी में इस बरामदगी से कुछ दिन पहले भी पलक्कड़ में तरबूज से भरे एक ट्रक से भी 100 से अधिक बक्सों में जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर बरामद किए गए थे।

सिस्टम में न्याय के लिए एकजुट होंगी सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका, फिल्म 22 मई को ओटीटी पर देगी दस्तक

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म सिस्टम सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म सिस्टम 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, सिस्टम दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।

फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, सिस्टम एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी।

इसमें महत्वाकांक्षा, न्याय और नैतिकता जैसे विषयों को बहुत ही दिलचस्प तरीके से दिखाया गया है। मेरा मानना है कि यह फिल्म हर मोड़ पर दर्शकों को चौंकाएगी और उन्हें सोचने पर मजबूर करेगी। सिस्टम 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

पेड्डी ट्रेलर रिलीज डेट आउट, 3 जून को होगा राम चरण के स्पोर्ट्स ड्रामा का पेड प्रीव्यू

मेगा पावरस्टार राम चरण अभिनीत पेड्डी इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी चर्चा जोरों पर है। मूवी लवर्स इस ग्लोबल स्टार को इस देसी, एक्शन से भरपूर स्पोर्ट्स ड्रामा में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के चिकिरी चिकिरी और रा रा राय राय गाने पहले ही ग्लोबल चार्टबस्टर बन चुके हैं, जिनमें राम चरण की झलकियां जबरदस्त धूम मचा रही हैं। अब मेकर्स ने फैंस की उत्सुकता को बरकरार रखने के लिए एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने पेड्डी के ट्रेलर रिलीज का एलान किया है।

मिथ्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए पेड्डी के ट्रेलर के बारे में अपडेट दिया है। फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने बताया कि पेड्डी का ट्रेलर कब आ रहा है। पोस्टर में राम चरण देसी अवतार में नजर आ रहे हैं।

इस दमदार पोस्टर के साथ मेकर्स ने ट्रेलर लॉन्च की डेट से पर्दा हटाया है। मेकर्स ने पोस्टर में लिखा है, मेगा पावरस्टार राम चरण की पेड्डी का ट्रेलर 18 मई को आएगा। इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, पेड्डी आपके दिलों में बस जाएगा। ट्रेलर 18 मई से। पेड्डी दुनिया भर के सिनेमाघरों में 4 जून को रिलीज होगी, और 3 जून को प्रीमियर होंगे।

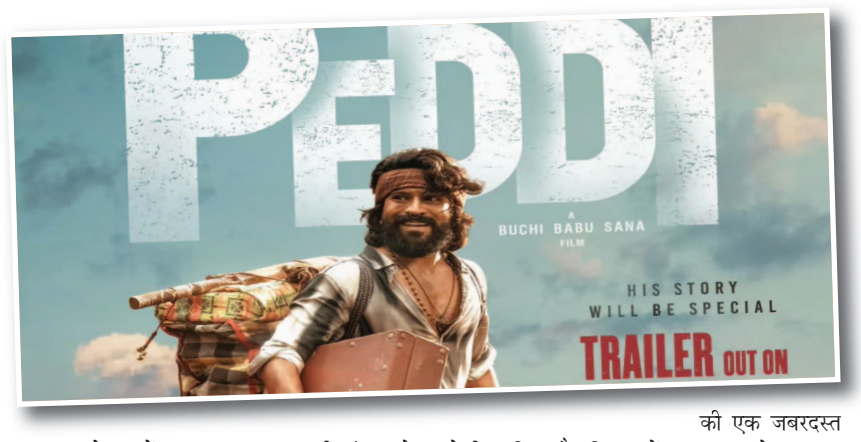

नए पोस्टर में राम चरण एक असली गांव वाले के अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके इस देसी अवतार को दिखाकर मेकर्स ने लोगों की बेसब्री को और बढ़ा दिया है। ऐसा लगता है कि बुची बाबू कुछ ऐसा तैयार किया है, जो पूरी दुनिया में धूम मचा देगा। लोग इस फिल्म को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और उम्मीद है कि आने वाला ट्रेलर इस दीवानगी को और भी ज्यादा बढ़ा देगा।

निर्देशक बुची बाबू सना के निर्देशन में और निर्माता वेंकट सतीश किलारू के सहयोग से, वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले बनी इस फिल्म में कलाकारों की एक जबरदस्त टोली शामिल है। फिल्म में राम चरण के अलावा जाह्नवी कपूर, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी नजर आएंगे। फिल्म का संगीत ए।आर। रहमान तैयार कर रहे हैं।

पेद्दी आधिकारिक तौर पर 4 जून, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज होने वाली है। मेकर्स इसे तेलुगु के अलावा, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज करेंगे। मगर रिलीज से पहले मेकर्स ने पेड प्रीव्यू का प्लान किया है, जो थिएटिकल रिलीज से ठीक एक दिन पहले यानी 3 जून को होगा।

फिर बदली वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' रिलीज डेट

आए दिन फिल्मों की रिलीज डेट में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों 'बंदर' की रिलीज डेट बदली। वहीं आज यश की मच अवेटेड 'टॉक्सिक' फिर आगे बढ़ गई। अब वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज में भी एक बार फिर बदलाव किया गया है। 22 मई को रिलीज होने वाली ये फिल्म अब नए बदलाव के साथ अपनी पुरानी रिलीज डेट यानी 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

'टॉक्सिक' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट को भी फिरसे बदल दिया है। दरअसल, 'है जवानी तो इश्क होना है' अभी तक 22 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन आज जैसे ही 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट 4 जून से आगे बढ़ी, वैसे ही मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज को 22 मई से बदलकर 5 जून कर दिया है। जाहिर है कि 'है जवानी तो इश्क होना है' की असल रिलीज डेट भी 5 जून ही थी, लेकिन 4 जून को 'टॉक्सिक' के रिलीज होने के चलते, मेकर्स ने इसे पहले 22 मई को ही रिलीज करने का फैसला किया था। लेकिन अब 'टॉक्सिक' 4 जून को रिलीज नहीं हो रही है। इसलिए वरुण धवन की फिल्म अपनी असल रिलीज डेट 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म की रिलीज डेट बदलने पर वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने फिल्म के दो नए पोस्टर भी साझा किए और साथ ही यश और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद भी बोला।

वरुण ने रिलीज डेट की जानकारी देते हुए लिखा, 'है जवानी तो इश्क होना है 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी। आईपीएल के बाद रिलीज होने वाली यह पहली फिल्म है।'

'है जवानी तो इश्क होना है' की नई रिलीज डेट की घोषणा के बाद अब बॉक्स ऑफिस पर वरुण धवन की फिल्म की टक्कर बॉबी देओल की 'बंदर' से होगी। 'बंदर' भी 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'बंदर' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिली है। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता है। अब देखना ये है कि 5 जून को होने वाले बॉक्स ऑफिस क्लैश में कौन सी फिल्म बाजी मारती है।

डेविड धवन द्वारा निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन के साथ पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में मौनी रॉय, जिम्मी शेरगिल, मनीष पॉल, चंकी पांडे और राकेश बेदी समेत कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com